सतना
10 मई 2026 रविवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

भारत की ऐतिहासिक छलांग, 12 हजार किमी. तक मार करने वाली आईसीबीएम का सफल परीक्षण

नई दिल्ली,एजेंसी। डीआरडीओ ने शुक्रवार शाम को ओडिशा तट से परमाणु-सक्षम अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का पहला परीक्षण किया। टीओआई के अनुसार, यह परीक्षण-लॉन्च अग्नि-6 मिसाइल जैसा नहीं दिखता है, लेकिन आज जिस मिसाइल का परीक्षण किया गया है वह आईसीबीएम श्रेणी की है। हालांकि, डीआरडीओ ने अभी तक आधिकारिक तौर पर मिसाइल परीक्षण की घोषणा नहीं की है।

दुनिया के चुनिंदा देशों के क्लब में भारत

केवल चार देशों अमेरिका, रूस, चीन और उत्तर कोरिया के पास आईसीबीएम तकनीक है और उन्होंने 12,000 किमी से अधिक की रेंज वाले आईसीबीएम तैनात किए हैं। फ्रांस और ब्रिटेन के पास ऑपरेशनल परमाणु-हथियार संपन्न पनडुब्बी-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल (SLBM) तकनीक है। यदि भारत आईसीबीएम क्षमता हासिल कर लेता है, तो अमेरिका सहित दुनिया का कई देश मिसाइल की मारक क्षमता में आ जाएगा।यह लॉन्च डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी कामत के एक रक्षा शिखर सम्मेलन के दौरान अग्नि-6 के बारे में दिए गए उस बयान के कुछ दिनों बाद हुआ है, जिसमें उन्होंने कहा था कि जैसे ही सरकार अनुमति देती है, हम आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं।

तेलंगाना के दस जिलों में खुलेंगे अल्पसंख्यकों के लिए विशेष डिग्री कॉलेज, मिलेगी एआई-स्किल ट्रेनिंग

हैदराबाद,एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए कई बड़े एलान किए हैं। सरकार राज्य के 10 जिला मुख्यालयों में अल्पसंख्यकों के लिए विशेष डिग्री कॉलेज स्थापित करेगी। इन कॉलेजों में छात्रों को केवल पारंपरिक पढ़ाई नहीं कराई जाएगी। यहां उन्हें स्किल डेवलपमेंट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ट्रेनिंग भी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के साथ हुई बैठक में यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने जोर दिया कि इन संस्थानों में छात्रों को व्यावहारिक ट्रेनिंग मिलनी चाहिए। इसका मकसद यह है कि पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्रों को सीधे नौकरी मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को एक विशेष कार्यक्रम तैयार करने का सुझाव दिया। इसके तहत अल्पसंख्यक छात्रों को भी बीसी, एससी और एसटी समुदाय के मेधावी छात्रों की तरह प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके लिए विभाग एक अलग योजना तैयार करेगा। सरकार ने ग्रुप-1, ग्रुप-2 और ग्रुप-3 सेवाओं के लिए चुने गए अल्पसंख्यक उम्मीदवारों को भी बड़ी जिम्मेदारी देने का फैसला किया है। इन अधिकारियों को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में तैनात किया जाएगा। यहां उन्हें विभाग के कार्यक्रमों को समझने और सीखने

रिपोर्ट: इस्लामाबाद में अगले हफ्ते शांति वार्ता संभव

ट्रम्प बोले:ईरानी जवाब का इंतजार; ईरान ने न्यूक्लियर प्रोग्राम रोकने की मांग ठुकराई

तेल अवीव/तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने को लेकर अगले हफ्ते पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में फिर बातचीत शुरू हो सकती है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देश मध्यस्थों के जरिए एक समझौता ड्राफ्ट पर काम कर रहे हैं, जिससे एक महीने तक चलने वाली औपचारिक वार्ता का रास्ता खुल सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका की तरफ से प्रस्तावित 14 बिंदुओं वाले ड्राफ्ट में ईरान के परमाणु कार्यक्रम, होर्मुज स्ट्रेट में तनाव कम करने और ईरान के एनरिच्ड यूरेनियम भंडार को किसी दूसरे देश भेजने जैसे मुद्दे शामिल हैं।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्हें ईरान की तरफ से जल्द जवाब मिलने की उम्मीद है। अगर बातचीत आगे बढ़ी तो सीजफायर को और लंबा किया जा सकता है।साथ ही अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम या हाईली एनरिच्ड यूरेनियम पर कोई समझौता नहीं करेगा।

बिहार में बिजली-पेड़ गिरने से 9 लोगों की मौत

उर प्रदेश समेत 6 राज्यों में आंधी-बारिश; राजस्थान-एमपी में तापमान 43डिग्री के पार

भोपाल/लखनऊ/जयपुर/पटना, एजेंसी। उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान में शुक्रवार को बारिश के साथ ओले गिरे। वहीं मध्य भारत में फिर से तेज गर्मी पड़ने लगी है।

बिहार के पटना समेत 7 जिलों में शुक्रवार को तेज आंधी के साथ बारिश हुई। पेड़ और बिजली गिरने से 9 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 5 मौत राजधानी पटना में हुई। आंधी में 600 से ज्यादा पेड़ भी गिर गए।

उत्तर प्रदेश के आगरा और जालौन में बारिश हुई। मऊ में ओले भी गिरे। शनिवार को 17 जिलों में आंधी-बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट है।

रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि नए सीडीएस होंगे

देश के तीसरे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ; वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन अगले नौसेना प्रमुख

नई दिल्ली,एजेंसी। रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि देश के अगले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) होंगे। केंद्र ने शनिवार को इसका ऐलान किया। सुब्रमणि रक्षा मामलों के विभाग के सचिव की जिम्मेदारी भी संभालेंगे।

सरकार ने वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को अगला नौसेना प्रमुख नियुक्त किया है। दोनों 31 मई को कार्यभार संभालेंगे। मौजूदा छ्वष्ठस् अनिल चौहान का कार्यकाल 30 मई को खत्म हो रहा है। एनएस राजा सुब्रमणि देश के तीसरे CDS होंगे।

गढ़वाल राइफल्स से सेना में कमीशन लिया था सुब्रमणि ने पढ़ाई और प्रशिक्षणः एनएस राजा सुब्रमणि ने दिसंबर 1985 में गढ़वाल राइफल्स से सेना में कमीशन लिया था। उन्होंने नेशनल डिफेंस अकादमी (NDA) से सैन्य प्रशिक्षण हासिल किया। इसके बाद वे ब्रिटेन के ब्रैकनेल स्थित जॉइंट सर्विसेज कमांड एंड स्टाफ कॉलेज भी गए।भारत लौटने के बाद उन्हें माउंटेन ब्रिगेड में ब्रिगेड मेजर की जिम्मेदारी दी गई। बाद में उन्होंने दिल्ली के नेशनल डिफेंस कॉलेज से पढ़ाई की। उनके पास लंदन के किंग्स कॉलेज से मास्टर ऑफ आर्ट्स और मद्रास यूनिवर्सिटी से डिफेंस स्टडीज में एमफिल की डिग्री भी है।

सुवेंदु अधिकारी बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री

दिलीप घोष, अग्निमित्रा पाल, अशोक कीर्तनिया और निषिथ प्रमाणिक मंत्री बने; सभी ने बांग्ला में शपथ ली

कोलकाता,एजेंसी। सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के पहले मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने बांग्ला में ईश्वर के नाम की शपथ ली। शपथ के बाद सुवेंदु, पीएम के पास गए और उनके पैर छुए।

बंगाल के गवर्नर आरएन रवि ने सुवेंदु के अलावा 4 और विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई। इनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पाल, अशोक कीर्तनिया और निषिथ प्रमाणिक का नाम शामिल है।इस दौरान पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, ह्रष्ठ और क्चछ्वक्क शासित राज्यों के 20 मुख्यमंत्री मौजूद रहे। मोदी ने मंच पर रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी 165वीं जयंती पर श्रद्धाजंलि दी।इसके बाद पीएम ने मंच पर भाजपा के 98 साल के कार्यकर्ता माखनलाल सरकार का सम्मान किया। मंच पर आते ही प्रधानमंत्री सीधे सरकार के पास गए, उन्हें शॉल ओढ़ाया और फिर उनके पैर छुए। इसके बाद सरकार ने देर तक प्रधानमंत्री को गले लगाए रखा।

सुवेंदु की शपथ से पहले पीएम मोदी का एक्स पर पोस्ट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- 'आज, 'पोचिशे बोइशाख' पर, हम गुरुदेव टैगोर को अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। गुरुदेव टैगोर असाधारण प्रतिभा के धनी लेखक, विचारक और कवि थे। उन्होंने एक असाधारण दार्शनिक, शिक्षाविद्, कलाकार और भारत की सभ्यतागत आत्मा की एक शाश्वत आवाज के रूप में अपनी एक अमिट

छाप छोड़ी। उन्होंने मानवता की गहनतम भावनाओं और हमारी संस्कृति के उच्चतम आदर्शों को अपनी अभिव्यक्ति प्रदान की। उन्होंने हमारे समाज को नवीन विचारों, रचनात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक आत्मविश्वास से समृद्ध किया। हम उन्हें गहरी श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ याद करते हैं। उनके विचार निरंतर हमारे मनों को आलोकित करते रहें और हमारे प्रयासों में हमारा मार्गदर्शन करते रहें। '

राजनाथ सिंह का शीर्ष कमांडरों को निर्देश, युद्ध में दुश्मन को रणनीति से चौंकाएं

नई दिल्ली,एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों सेवाओं के शीर्ष सैन्य कमांडरों को निर्देश दिया कि वे आधुनिक युद्ध में ''आश्चर्य का तत्व'' शामिल करें ताकि भारत के विरोधियों को मात दी जा सके और रणनीतिक स्थिति को मजबूत किया जा सके।उन्होंने कहा, ''भविष्य के युद्ध केवल हथियारों के माध्यम से नहीं जीते जाएंगे, बल्कि नई सोच और बढ़े हुए आपसी सहयोग से जीते जाएंगे।''जयपुर में संयुक्त कमांडरों के सम्मेलन में अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने आपरेशन सिंदूर को भारतीय सशस्त्र बलों की ''तेज, सटीक और संयुक्त प्रतिक्रिया'' का प्रमाण बताया, जो राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए है और सेना को किसी भी सुरक्षा चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।रक्षा मंत्री ने कमांडरों को ''आश्चर्य का तत्व'' विकसित करने के लिए प्रेरित किया ताकि वे राष्ट्र के विरोधियों के लिए अप्रत्याशित बने रहें और किसी भी स्थिति में रणनीतिक बढ़त हासिल कर सकें।

सुप्रीम कोर्ट की बांग्लादेश से भारत आने वाले अवैध घुसपैठियों पर टिप्पणी, कहा: वे आतंकवादी नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि बांग्लादेशी नागरिकों द्वारा भारत में सिर्फ अवैध घुसपैठ करना कोई आतंकवादी कृत्य नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट में यह टिप्पणी सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने एडिशनल सॉलिसिटर जनरल स्ष्ठ संजय की उस दलील के जवाब में की, जिसमें उन्होंने अमोल चंद्र दास उर्फ सुजीब की जमानत याचिका का विरोध किया था।

बांग्लादेशियों के अवैध घुसपैठ करने पर सुप्रीम कोट की टिप्पणी:सुजीब को नवंबर 2023 में बेंगलुरु में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) ने गिरफ्तार किया था। उस पर आरोप था कि वह 10 साल से शहर में एक जाली पासपोर्ट के साथ रह रहा था और बांग्लादेशियों की भारत में अवैध घुसपैठ में मदद कर रहा था।संजय ने कहा कि इस मामले में अन्य आरोपियों को जमानत मिल चुकी है, लेकिन मौजूदा याचिकाकर्ता एक ऐसे गिरोह का हिस्सा है जो जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके बांग्लादेशियों की भारत में सीमा पार तस्करी में शामिल है और इसलिए वह जमानत का हकदार नहीं है।जस्टिस बागची ने कहा, 'अवैध घुसपैठ कोई आतंकवादी कृत्य नहीं है।

देश में 70 साल में 20 लाख अपहरण

इनमें 11 लाख एक दशक में ही, एनसीआरबी अपराधों में हिस्सेदारी 3 गुना बढ़ी

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत में अपहरण और जबरन उठा ले जाने की घटनाएं पिछले एक दशक में अप्रत्याशित रूप से बढ़ी हैं। हाल ही में भोपाल में एक आईएएस एकेडमी की निदेशक के अपहरण और 1.89 करोड़ रुपए की फिरौती के मामले ने देश में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।आधिकारिक आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि वर्ष 1953 से 2024 के बीच देश में कुल 20 लाख से अधिक ऐसे मामले दर्ज किए गए। चौंकाने वाला तथ्य यह है कि इन सात दशकों के कुल मामलों का 54% हिस्सा (11.24 लाख केस) केवल पिछले 11 वर्षों (2013-2024) में दर्ज हुआ है।

फिरौती के लिए अपहरण केवल 0.7% ही:आंकड़ों के अनुसार, कुल अपराधों में अपहरण की हिस्सेदारी 1953-62 में 1.01% थी, जो 2013-24 के दौरान बढ़कर 3.04% तक पहुंच गई है। अपहरण के पीछे सबसे बड़ा कारणों में विवाह के लिए महिलाओं का उठाना और सामान्य अपहरण है।फिरौती के लिए किए जाने वाले संगठित अपहरण कुल मामलों का केवल 0.7% ही हैं। राज्यों की तुलना करें तो उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के बाद बिहार तीसरे स्थान पर रहा करता था, लेकिन 2024 के आंकड़ों में बिहार शीर्ष छह राज्यों में सबसे नीचे दर्ज किया गया है।

साइबर अपराधों में अश्लील कंटेंट, 90% बच्चों के खिलाफ:भारत में बच्चों के खिलाफ दर्ज साइबर अपराधों में करीब 10 में 9 मामलों में बच्चों से जुड़ा यौन रूप से अश्लील कंटेंट पब्लिश या ट्रांसमिट करने की बात सामने आई है।

महाराष्ट्र में सोशल मीडिया पर फेक पोस्ट फैलाना पड़ेगा भारी! कानून मजबूत करने के लिए बनी समिति

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार सोशल मीडिया पर बिना सबूत बदनामी फैलाने के मामलों को लेकर गंभीर हो गई है। राज्य में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर बिना किसी प्रमाण के लोगों की छवि खराब करने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे समाज के कई वर्गों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राज्य सरकार का उद्देश्य सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर प्रभावी नियंत्रण और लोगों की प्रतिष्ठा की बेहतर कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

कानून मजबूत करने के लिए समिति का गठन

नए श्रम कानून की अधिसूचना जारी

हफ्ते में 48 घंटे काम, वेतन, ग्रेच्युटी और मिलेगा ओवरटाइम

नई दिल्ली,एजेंसी। काम के घंटों पर चल रही बहस के बीच केंद्र सरकार ने नए श्रम संहिताओं के तहत साप्ताहिक काम के घंटों की सीमा 48 तय की है, जिसके बाद काम करने पर श्रमिकों को उनके निर्धारित प्रति घंटा वेतन की दोगुनी राशि का भुगतान किया जाएगा।

चार नई संहिताओं के तहत मसौदा नियमों को हितधारकों के परामर्श के लिए प्रकाशित किए जाने के लगभग चार महीने बाद केंद्र ने शुक्रवार को दो संहिताओं मजदूरी और औद्योगिक संबंध के तहत अंतिम नियम प्रकाशित किए। हालांकि, अन्य दो संहिताओं के लिए नए नियमों की अंतिम अधिसूचना तक पुराने नियम लागू रहेंगे।

अलग से, राज्यों को केंद्र द्वारा अधिसूचित नियमों से संकेत लेते हुए अपने स्वयं के नियमों को अधिसूचित करना होगा। पश्चिम बंगाल अब तक एकमात्र राज्य था जिसने इसे लागू नहीं किया था, लेकिन विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के साथ, यह भी केंद्र के अनुरूप नियमों को अधिसूचित करेगा।

नीति से कार्यान्वयन की ओर:ईवाई इंडिया के पार्टनर पुनीत गुप्ता ने कहा कि नियमों की अधिसूचना श्रम संहिताओं को नीति से कार्यान्वयन की ओर ले जाने में एक महत्वपूर्ण कदम है।हालांकि, यह पहचानना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि ये केंद्रीय नियम मुख्य रूप से दूरसंचार, बैंकिंग और बीमा, खदानें, तेल क्षेत्र, प्रमुख बंदरगाह, हवाई परिवहन, साथ ही केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और ठेकेदार प्रतिष्ठानों पर लागू होंगे जहां केंद्र सरकार उपयुक्त है।

मजदूरी, बोनस और भत्ते के नियम:वेतन पर संहिता के तहत नियम केंद्र को न्यूनतम मजदूरी और राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी तय करने का अधिकार देते हैं, इसके अलावा उनके समय पर भुगतान का तरीका भी निर्धारित करते हैं। इसके अलावा, ये नियम ठेका कर्मचारियों को बोनस के भुगतान न करने के लिए ठेकेदार के बजाय मुख्य नियोक्ता को जवाबदेह मानते हैं।आगे यह भी कहा गया है कि औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में बदलाव के आधार पर परिवर्तनीय महंगाई भत्ते को साल में दो बार संशोधित किया जाना चाहिए।

सात महीने बाद शिमला से फिर उड़ान भरेंगे विमान, पर्यटन को लगेंगे पंख

शिमला, एजेंसी। पहाड़ों की रानी शिमला एक बार फिर आसमान के रास्ते देश के बड़े शहरों से जुड़ने जा रही है। सात महीने से बंद पड़ी हवाई सेवाएं अब कल यानी 10 मई से दोबारा शुरू हो रही हैं। समर सीजन के बीच शुरू हो रही इन उड़ानों से पर्यटकों का शिमला आना-जाना आसान होगा और पर्यटन कारोबार को भी नई रफ्तार मिलने की उम्मीद है। राजधानी शिमला के जुब्बड़हट्टी हवाई अड्डे से दिल्ली और धर्मशाला के लिए नियमित विमान सेवा बहाल की जा रही है।

एलायंस एयर दिल्ली-शिमला रूट पर मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन उड़ानें संचालित करेगी। वहीं शिमला और धर्मशाला के बीच मंगलवार व रविवार को छोड़कर सप्ताह में पांच दिन विमान सेवा उपलब्ध रहेगी। एयरलाइन ने एडवांस बुकिंग शुरू कर दी है और प्रत्येक दिन का शेड्यूल भी अपनी वेबसाइट पर अपडेट कर दिया है। रविवार के शेड्यूल के अनुसार नई दिल्ली से विमान सुबह 6:20 बजे उड़ान भरेगा और 7:35 बजे शिमला पहुंचेगा। इसके बाद फ्लाइट सुबह 8:00 बजे शिमला से रवाना होकर 9:10 बजे दिल्ली पहुंचेगी। सोमवार को दिल्ली से विमान सुबह 7:20 बजे रवाना होगा और 8:35 बजे शिमला पहुंचेगा। वापसी में विमान सुबह 11:30 बजे शिमला से उड़ान भरकर दोपहर 12:40 बजे दिल्ली पहुंचेगा। दिल्ली से शिमला की यात्रा करीब एक घंटा 15 मिनट में पूरी होगी, जबकि शिमला से दिल्ली पहुंचने में लगभग एक घंटा 10 मिनट का समय लगेगा। इसी तरह 11 मई से शिमला और धर्मशाला के बीच भी उड़ानें शुरू होंगी। शिमला से फ्लाइट सुबह 9:00 बजे रवाना होकर 9:50 बजे धर्मशाला पहुंचेगी, जबकि धर्मशाला से विमान सुबह 10:15 बजे उड़ान भरकर 11:05 बजे शिमला पहुंचेगा। यानी दोनों शहरों के बीच सफर अब महज 50 मिनट में पूरा हो सकेगा। हालांकि, इस बार यात्रियों को पहले के मुकाबले कहीं अधिक किराया चुकाना पड़ेगा। दिल्ली-शिमला रूट पर पहले जहां रियायती किराया करीब 4,500 रुपये था, अब यह बढ़कर 7,441 रुपये तक पहुंच गया है। यानी किराये में करीब 65 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। वहीं शिमला-धर्मशाला रूट पर किराया लगभग 2,100 रुपये से बढ़कर 4,125 रुपये हो गया है, जो करीब 96 फीसदी अधिक है। कुछ सीटों के लिए किराया इससे भी ज्यादा रखा गया है। शिमला से दिल्ली के लिए कुछ सीटों का किराया 18,298 रुपये और 27,118 रुपये तक है, जबकि शिमला-धर्मशाला रूट पर कुछ सीटों का किराया 13,098 रुपये और 18,348 रुपये तक पहुंच रहा है। शिमला की हवाई सेवाएं पिछले वर्ष 2 नवंबर 2025 से बंद थीं। दरअसल, 25 सितंबर 2025 को एलायंस एयर और हिमाचल प्रदेश सरकार के बीच विमान सेवा संचालन को लेकर हुआ करार समाप्त हो गया था। इसके बाद उड़ानें रोक दी गई थीं। अब लंबे इंतजार के बाद सेवाएं दोबारा शुरू होने से होटल कारोबारियों, पर्यटन उद्योग और यात्रियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। गर्मियों के मौसम में हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक शिमला पहुंचते हैं और ऐसे समय में हवाई सेवाओं की बहाली को पर्यटन क्षेत्र के लिए अहम माना जा रहा है। इन रूटों पर एलायंस एयर का एटीआर-42 (600) विमान उड़ान भरेगा। यह विमान तकनीकी रूप से 48 सीटों वाला है, लेकिन जुब्बड़हट्टी एयरपोर्ट की भौगोलिक परिस्थितियों, ऊंचाई और छोटे रनवे के कारण सीमित यात्रियों के साथ ही उड़ान भर पाएगा। दिल्ली से शिमला आने वाली उड़ान लगभग पूरी क्षमता के साथ 47 यात्रियों को ला सकेगी, लेकिन शिमला से दिल्ली उड़ान भरते समय पेलोड प्रतिबंध के कारण विमान केवल 24 से 28 यात्रियों को ही लेकर उड़ान भर पाएगा। शिमला-धर्मशाला रूट पर भी मौसम और रनवे की स्थिति के अनुसार यात्रियों की संख्या सीमित रखी जाएगी। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण शिमला के निदेशक सतीश कुमार ने शनिवार को बताया कि डीजीसीए की ओर से 10 से 20 मई तक का स्वीकृत शेड्यूल प्राप्त हो चुका है और सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि पहली फ्लाइट के शिमला पहुंचने पर विमान कैनन से स्वागत किया जाएगा झ और यात्रियों का भी विशेष स्वागत होगा।

दिल्ली में मानसून से पहले पीडब्ल्यूडी में बड़ा बदलाव, 12 आईएएस अधिकारियों को मिली अलग-अलग जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने एक अहम फैसले में मानसून से पहले लोक निर्माण विभाग के सचिव स्तर की जिम्मेदारी में बदलाव किया है। भाजपा सरकार के गठन के बाद से लोक निर्माण विभाग को देख रहे अतिरिक्त मुख्य सचिव नवीन चौधरी को पीडब्ल्यूडी की जगह अब सामान्य प्रशासन विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। वह पूर्व की तरह सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग भी देखते रहेंगे। पीडब्ल्यूडी की जिम्मेदारी संदीप कुमार को सौंपी गई है। वह पीडब्ल्यूडी में प्रधान सचिव होंगे। चौधरी सहित 12 अन्य आईएएस के कार्यभार में बदलाव किया गया है। कुछ को नई नियुक्त भी दी गई है। 2003 बैच की नंदिनी पालीवाल को सतर्कता निदेशालय, सेवाएं विभाग के साथ साथ डीएसएसएसबी के चेयरमैन की जिम्मेदारी दी गई है। चेमला शिवा रेड्डी उपराज्यपाल के विशेष सचिव बनाए गए हैं। इनके साथ ही 11 दानिक्स अधिकारियों के कार्यभार में भी बदलाव किया गया है।

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने साहूपुरा सरपंच पद के चुनाव पर नहीं लगाई रोक, मतदान 10 मई को

बल्लभगढ़, एजेंसी। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने साहूपुरा खादर के सरपंच पद के चुनाव पर रोक लगाने दायर की गई याचिका को खारिज कर दिया। अब 10 मई को मतदान होगा। शुक्रवार को चुनाव प्रचार बंद हो गया। मतदान कराने के लिए शनिवार को टीम मतदान केंद्रों पर पहुंच जाएंगी। साहूपुरा खादर के सरपंच ताराचंद भाटी ने पंचायत की भूमि पर अवैध कब्जा किया हुआ है। यह कब्जा एसडीएम की रिपोर्ट में प्रमाणित हो जाने के बाद उपायुक्त ने सरपंच ताराचंद भाटी को बर्खास्त कर दिया। गांव का सरपंच पद खाली हो जाने के कारण राज्य निर्वाचन आयोग ने जिला निर्वाचन अधिकारी आयुष सिन्हा को चुनाव कराने के लिए अधिसूचना जारी करने के आदेश दे दिए। ताराचंद भाटी ने सरपंच की प्रक्रिया पर रोक लगाने के लिए पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट में याचिका पर दायर की थी। मतदान का दिन नजदीक आ गया और शुक्रवार की शाम को प्रचार बंद हो गया। हाई कोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया। अब सरपंच पद के लिए मतदान कराने में किसी भी तरह की कोई बाधा नहीं है। गांव में चुनाव शांतिपूर्वक कराने के लिए प्रशासनिक स्तर पर सभी प्रबंध किए जा रहे हैं। दो मतदान केंद्र बनाए गए हैं। सुबह आठ से शाम के छह बजे तक मतदान होगा। शाम को मौके पर मतगणना की जाएगी और चुनाव परिणाम घोषित किया जाएगा।

उत्तराखंड के आठ जिलों में हल्की बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। राज्य के आठ पर्वतीय जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश और गर्जन के साथ वर्षा होने की संभावना है। वहीं 4000 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी के आसार जताए गए हैं। शनिवार को मौसम विभाग की ओर से जारी पूर्वानुमान के मुताबिक उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, नैनीताल, अल्मोड़ा, चम्पावत और पिथौरागढ़ जिलों में मौसम का प्रभाव देखने को मिल सकता है। इसके अलावा राज्य के अन्य जिलों में मौसम शुष्क रहने की संभावना व्यक्त की गई है। विभाग ने फिलहाल किसी प्रकार की मौसम चेतावनी जारी नहीं की है। हालांकि पर्वतीय क्षेत्रों में बादल छाने और तापमान में उतार-चढ़ाव के चलते लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम दर्ज किया गया, जबकि पर्वतीय क्षेत्रों में तापमान सामान्य से काफी नीचे रहा। अगले दो से तीन दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने की संभावना है, जिसके बाद तापमान में फिर गिरावट आ सकती है। देहरादून में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और गर्जन वाले बादल विकसित होने की संभावना है। राजधानी में अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में हल्की बारिश दर्ज की गई। यमकेश्वर में सर्वाधिक 14 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई, जबकि गरुड़ में 4.5 मिमी और ज्योलीकोट (नैनीताल) में 2.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा चौखुटिया, कौसानी, हर्षिल, बड़कोट, गंगोलीहाट, जोशीमठ क्षेत्र समेत कई स्थानों पर हल्की वर्षा हुई।

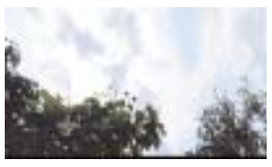

एटीएम फ्रॉड गिरोह का पर्दाफाश, दो शातिर गिरफ्तार

हरिद्वार, एजेंसी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह के नेतृत्व में हरिद्वार पुलिस को एटीएम ठगी के खिलाफ बड़ी कामयाबी मिली है। कोतवाली बहादराबाद पुलिस ने 17 संदिग्ध एटीएम कार्डों के साथ दो शातिर ठगों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बिना नंबर प्लेट की पल्सर मोटरसाइकिल, दो मोबाइल फोन और नकदी भी बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपित एटीएम बूथों के आसपास रेकी कर बुजुर्गों, महिलाओं और कम पढ़े-लिखे लोगों को निशाना बनाते थे। मदद के बहाने उनका एटीएम कार्ड बदलकर बाद में खातों से पैसे निकाल लेते थे। एटीएम फ्रॉड की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद एसएसपी के निर्देश पर कोतवाली बहादराबाद में विशेष टीम गठित की गई थी। पुलिस टीम बैंक और एटीएम बूथों के आसपास संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रख रही थी। उपनिरीक्षक हेमदत्त भारद्वाज शनिवार को पुलिस टीम के साथ एसबीआई एटीएम बूथ, बहादराबाद पीपल चौक के पास चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की काली पल्सर बाइक पर सवार दो युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। पीछा करने पर बाइक फिसल गई और दोनों झाड़ियों की ओर भागने लगे, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान शिवा उर्फ शिव निवासी फेरुपुर महाराणा प्रताप कॉलोनी, थाना पथरी व मधुसूदन उर्फ मनोज निवासी गढ़मीरपुर, थाना रानीपुर, हरिद्वार के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान शिवा के पास से 10 एटीएम कार्ड, मोबाइल, 200 नकद और पर्स बरामद हुआ, जबकि मधुसूदन के कब्जे से 7 एटीएम कार्ड, वन प्लस मोबाइल, 700 नकद और पर्स मिला। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे पहले भी एटीएम बदलकर ठगी करने के मामलों में जेल जा चुके हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ कोतवाली बहादराबाद में मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है।

नोएडा में सुपरटेक केपटाउन के एओए अध्यक्ष समेत 8 पर रंगदारी का मुकदमा दर्ज, कोर्ट के आदेश पर हुई कार्रवाई

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के सेक्टर-20 थाने में कोर्ट के आदेश पर सुपरटेक केपटाउन के एओए अध्यक्ष समेत आठ लोगों पर इंटरनेट सेवा कंपनी के डायरेक्टर से रंगदारी, लूट और हथियार दिखाकर जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस ने सोसायटी की सीसीटीवी फुटेज और अन्य तथ्यों के आधार पर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता कर्मवीर सिंह नोएडा सेक्टर-56 में रहते हैं। वह चौधरी डिजी नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के निदेशक हैं। उन्होंने बताया कि वह कंपनी के जरिए 2014 से नोएडा की विभिन्न सोसायटी और क्षेत्रों में केबल, इंटरनेट व इंटरकॉम सेवा उपलब्ध करा रहे हैं। कुछ समय पहले उन्होंने सेक्टर-74 की सुपरटेक केपटाउन सोसायटी में भी इंटरनेट व केबल सेवा देना शुरू किया था। वहीं, अब उनका आरोप है कि एओए के अध्यक्ष प्रवीण भारद्वाज और बंटी यादव कुछ समय पहले सेक्टर-20 स्थित उनके आफिस पहुंचे थे। वहां उनसे सोसायटी में काम जारी करने की बाबत प्रतिमाह एक लाख रुपये की रंगदारी मांगी। छह-सात लोगों ने जबरन रोका : बताया कि जब उन्होंने रकम देने से इनकार कर दिया तो आरोपितों ने रंगदारी न देने पर काम बंद करने और जान से मारने की धमकी दी। बीती सात फरवरी को कंपनी के कर्मचारी गौतम और अन्य कर्मचारी सोसायटी में दोबारा काम करने पहुंचे तो आरोपी अध्यक्ष और छह-सात लोगों ने जबरन रोक दिया। इसके बाद कंपनी के ऑफिस में घुसकर कर्मचारियों से गाली-गलौज और मारपीट की। डरे-सहमे कर्मचारी किसी तरह वहां से जान बचाकर भागे। परेशान होकर उन्होंने कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया : आरोप ये भी है कि आरोपितों ने सोसायटी परिसर में उनकी कंपनी का करीब 4 से 5 करोड़ रुपये का नेटवर्किंग सामान व अन्य उपकरण लूट लिए हैं। उन्होंने पूर्व में पुलिस को कार्रवाई के लिए शिकायत दी थी, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। परेशान होकर उन्होंने कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया। अब अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर सेक्टर-20 थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि दोनों पक्षों के दस्तावेज, अनुबंध और अन्य साक्ष्यों की जांच हो रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की जांच रिपोर्ट न्यायालय में जमा की गई है। सभी शिकायत झूठी हैं। थाना सेक्टर 113 एवं थाना सेक्टर 20 थाना पुलिस ने जांच की हैं, पुलिस को भी कंपनी के कर्मचारियों द्वारा सामान ले जाने के बारे में जानकारी मिली है। रंगदारी और सामान हड़पने का आरोप झूठ है।

एक साल से चोक थी सीवर लाइन, परेशान महिला जान देने तीसरी मंजिल पर चढ़ी, आधी रात से शुरू हुई सफाई

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में चकेरी के अहिरवां विराटनगर में एक साल से सीवर लाइन चोक होने से परेशान होकर महिला शुक्रवार को जान देने के लिए घर की तीसरी मंजिल पर चढ़ गई। हंगामा करने के साथ ही महिला ने छत से कूदने की कोशिश की, लेकिन मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर नीचे उतार लिया। महिला का आरोप है कि उसे शिकायतों के बाद भी एक साल से सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है। अहिरवां के विराटनगर के रहने वाले सुनील पांडे प्राइवेट कर्मी हैं। उनकी पत्नी प्रतिभा पांडे ने बताया कि नवंबर 2025 से घर के बाहर की सीवर लाइन चोक पड़ी है। उनके और आसपास के घरों के अंदर गंदा पानी भर जाता है। सड़क पर भी भरा रहता है। नाला ओवरफ्लो है। इलाके में मार्ग प्रकाश की भी व्यवस्था भी नहीं है। साथ ही मोहल्ले के अन्य लोग भी परेशान हैं।

शिकायत के बाद सिर्फ आश्वासन मिला : प्रतिभा ने कहा कि एक साल से लगातार अधिकारियों से शिकायत के बाद वह सिर्फ आश्वासन ही दे रहे हैं। समस्या के समाधान के लिए ठोस प्रयास नहीं किया गया। इससे नाराज होकर उन्होंने हंगामा करते हुए जान देने की कोशिश की। जेई प्रदीप मौर्य ने बताया कि पाइप घर के बाहर रखवा दी गई है। शनिवार को सीवर की समस्या का समाधान किया जाएगा।

देर रात शुरू हो गई सफाई : महराजपुर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना करते हैं। मामला तूल न पकड़े इसलिए शुक्रवार की देर रात से ही सीवर की सफाई का काम शुरू कर दिया गया। जलकल के कर्मी एक गाड़ी लेकर लाइन को खोलने का प्रयास करने में जुट गए।

यूएफओ फाइलों पर अमेरिका का बड़ा खुलासा: फाइलें सार्वजनिक करना शुरू

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) ने अज्ञात असामान्य परिघटनाएं (यूएपी), जिन्हें आमतौर पर यूएफओ कहा जाता है, से जुड़ी नई फाइलें सार्वजनिक करना शुरू कर दिया है। शुक्रवार को सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से पेंटागन ने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ध्यान जनता को अधिकतम पारदर्शिता प्रदान करने पर है, ताकि लोग इन जानकारियों के आधार पर स्वयं अपना निष्कर्ष निकाल सकें।पेंटागन विभाग ने कहा कि पिछली सरकारों ने जनता को हतोत्साहित करने की कोशिश की थी, लेकिन मौजूदा प्रशासन पारदर्शिता के लिए प्रतिबद्ध है। ये दस्तावेज किस्तों में जारी किए जाते रहेंगे। रिपब्लिकन सांसद टिम बर्चेट ने बयान जारी कर राष्ट्रपति ट्रंप को पारदर्शिता का अपना वादा निभाने के लिए धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि पूरी पारदर्शिता एक साथ नहीं होगी, इसमें कुछ समय लगेगा।46 वीडियो भी हो सकते हैं सार्वजनिकसांसद अन्ना पॉलिना लूना ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि भविष्य में वे 46 वीडियो भी जारी किए जा सकते है।

कठिन दौर में साझेदारी ही प्रगति का रास्ता, सूरीनाम में जयशंकर का वैश्विक संदर्भ में भारत की भूमिका पर जोर

पारामारीबो, एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सूरीनाम की राजधानी पारामारीबो में कहा कि मौजूदा कठिन वैश्विक परिस्थितियों में प्रगति के लिए देशों के बीच साझेदारी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर एक भरोसेमंद साझेदार की भूमिका निभा रहा है।

पारामारीबो में 'प्रगति के लिए साझेदारी' विषय पर सूरीनामी समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए जयशंकर ने गुरुवार को इस बात पर जोर दिया। मंत्री कैरिबियाई क्षेत्र की तीन देशों की यात्रा के दूसरे चरण पर सूरीनाम पहुंचे हैं।एस. जयशंकर ने कहा कि दुनिया इस समय बेहद चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी, यूक्रेन संघर्ष और पश्चिम एशिया में जारी युद्ध जैसी घटनाओं ने वैश्विक हालात को और कठिन बना दिया है।कोविड से लेकर पश्चिम एशिया संघर्ष का दिया हवालामंत्री ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, 'एक कठिन दुनिया के बावजूद प्रगति की आवश्यकता है। यह साझेदारी के माध्यम से सबसे अच्छा हासिल किया जाता है।' अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि दशक की शुरुआत कोविड-19 महामारी से हुई, जिसके बाद यूक्रेन संघर्ष और पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध हुआ। जयशंकर ने कहा, 'कठिन दुनिया शब्द थोड़ा कम करके आंका गया है। हम आज वित्त, संसाधनों, प्रौद्योगिकी, कनेक्टिविटी, भूगोल के हथियारकरण को देख रहे हैं। '

उन्होंने कहा कि ऐसे समय में राष्ट्र एक अधिक समावेशी दुनिया, सतत विकास और अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अधिक सम्मान के संदर्भ में प्रगति देखना चाहेंगे।

उन्होंने एक विश्वसनीय भागीदार की उन विशेषताओं पर प्रकाश डाला, जो राष्ट्रीय हित को वैश्विक भलाई के साथ जोड़ सकती है। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान विभिन्न देशों को टीके की आपूर्ति करने के भारत के उदाहरण का हवाला देते हुए कहा, 'एक अच्छे भागीदार की विशेषताओं में से एक ऐसा राष्ट्र है, जो अपने राष्ट्रीय हित को वैश्विक भलाई के प्रति प्रतिबद्धता के साथ सामंजस्य बिठाने में सक्षम है। '

भारत-सूरीनाम साझेदारी का भविष्य :जयशंकर ने एक्स पर कहा, 'यह वही भारत है जो सूरीनाम के विकास पथ में भागीदार बनेगा। भारत-सूरीनाम की कहानी का अगला अध्याय संयुक्त रूप से लिखेगा।' उन्होंने अपने संबोधन में कहा, 'यह एक कठिन दुनिया है, लेकिन हमें प्रगति की आवश्यकता है, हमें साझेदारी की आवश्यकता है, वे मौजूद हैं ।

ईरान में इंटरनेट बैन के 70 दिन पूरे; रूस ने यूएई से की शांति वार्ता का समर्थन करने की अपील

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया इस वक्त बारूद के ढेर पर बैठा है, जहां एक छोटी सी चिंगारी वैश्विक संकट का रूप ले सकती है। इस्राइल, लेबनान, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य टकराव ने पूरे क्षेत्र की स्थिरता को खतरे में डाल दिया है। दूसरी ओर, होर्मुज पर बढ़ता दबाव वैश्विक तेल आपूर्ति और अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती पेश कर रहा है। लाल सागर से लेकर फारस की खाड़ी तक फैली इस अशांति के बीच अब तक हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। शांति की हर कोशिश फिलहाल नाकाम दिख रही है। संयुक्त राष्ट्र की संस्था एफएओ की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, ईरान में चल रहे युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति बाधित होने से दुनिया भर में खाने-पीने की चीजों के दाम तीन साल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए हैं। अप्रैल 2026 में खाद्य मूल्य सूचकांक में 2% की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें सबसे ज्यादा असर वेजिटेबल ऑयल यानी खाद्य तेल और मीट की कीमतों पर पड़ा है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण बायोफ्यूल की मांग बढ़ी है, जिससे खाद्य तेलों की किल्लत हो रही है, वहीं युद्ध की वजह से खाद के दाम बढ़ने से किसान अब गेहूं जैसी फसलों से किनारा कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह तनाव जल्द कम नहीं हुआ, तो आने वाले महीनों में आम आदमी की थाली और भी महंगी हो सकती है।रूस की शांति पहलः लावरोव ने यूएई से की ईरान-अमेरिका वार्ता का समर्थन करने की अपीलपश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को कम करने की दिशा में रूस ने एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक कदम उठाया है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अपने यूएई समकक्ष शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से फोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने ईरान-अमेरिका के बीच जारी वार्ता को पूर्ण समर्थन देने की आवश्यकता पर बल दिया। रूसी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, लावरोव ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में फिर से शत्रुता और सैन्य संघर्ष को रोकने के लिए इन वार्ताओं की सफलता अनिवार्य है, ताकि पिछले कुछ समय से बनी स्थिरता के प्रयासों को कोई खतरा न पहुंचे। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि मौजूदा परिस्थितियों में किसी भी ऐसी सैन्य कार्रवाई से बचना चाहिए जो क्षेत्रीय सुरक्षा और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा सकती हो।पश्चिम एशिया संघर्षः कतर और अमेरिका के बीच शांति बहाली पर चर्चाकतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी ने वाशिंगटन में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से मुलाकात की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य ईरान के साथ चल रहे तनाव को खत्म करना और पश्चिम एशिया में स्थायी शांति स्थापित करना था। दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि सभी पक्षों को शांति प्रस्तावों पर सकारात्मक रुख अपनाना चाहिए ताकि बातचीत के जरिए संकट का समाधान निकाला जा सके। इस चर्चा के दौरान शांति प्रयासों में पाकिस्तान की मध्यस्थता वाली भूमिका की भी सराहना की गई। नेताओं ने माना कि केवल युद्ध विराम काफी नहीं है, बल्कि क्षेत्र में स्थिरता के लिए एक व्यापक समझौते की जरूरत है जो विवादों की जड़ को खत्म कर सके। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब दुनिया की नजरें ईरान के साथ होने वाले संभावित शांति समझौते पर टिकी हैं।

कलेक्टर ने लालता चौक का किया आकस्मिक निरीक्षण

श्रमिकों से संवाद कर जानी समस्याएं ,योजनाओं का लाभ दिलाने अधिकारियों को दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने शनिवार को शहर के लालता चौक स्थित श्रमिक एकत्रीकरण स्थल का आकस्मिक निरीक्षण कर श्रमिकों से सीधे संवाद किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने श्रमिकों की समस्याओं कार्य परिस्थितियों और शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी के संबंध में विस्तार से चर्चा की। कलेक्टर ने मौके पर मौजूद श्रमिकों से पूछा कि उन्हें श्रम विभाग एवं शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी मिल रही है या नहीं तथा वे योजनाओं का लाभ प्राप्त कर पा रहे हैं या नहीं इस दौरान कई श्रमिकों ने बताया कि उन्हें योजनाओं की पूरी जानकारी नहीं मिल पाती, जिसके कारण वे कई महत्वपूर्ण सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। श्रमिकों की समस्याएं सुनने के बाद कलेक्टर विकास मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रमिकों तक योजनाओं की जानकारी प्रभावी रूप से पहुंचाई जाए उन्होंने कहा कि असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने श्रम अधिकारी आकांक्षा पाठक को निर्देशित किया कि श्रमिक बाहुल्य क्षेत्रों में नियमित रूप से विशेष शिविर लगाए जाएं इन शिविरों के माध्यम से असंगठित श्रमिकों का पंजीयन कर उन्हें विभिन्न योजनाओं से जोड़ा जाए उन्होंने कहा कि श्रमिकों को श्रमिक कार्ड, आयुष्मान योजना, सामाजिक सुरक्षा योजना, प्रसूति सहायता, शिक्षा सहायता एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के साथ उपलब्ध कराया जाए। कलेक्टर ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए ताकि श्रमिक वर्ग अधिक से अधिक योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सके।

नन्हा सा दिल अभियान के तहत लगेगा नि:शुल्क हृदय जांच शिविर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों के उपचार के लिए नन्हा सा अभियान के अंतर्गत विशेष नि:शुल्क हृदय रोग स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबीता खरे के निर्देशानुसार आयोजित इस शिविर में 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच की जाएगी यह शिविर सत्य साई संजीवनी अस्पताल, जमशेदपुर के सहयोग से आयोजित हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार पहला शिविर 11 मई 2026, सोमवार को डीईआईसी भवन, जिला चिकित्सालय सीधी में सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित किया जाएगा। वहीं दूसरा शिविर 12 मई 2026, मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिहावल में सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक लगाया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित बच्चों की समय पर पहचान कर उन्हें नि:शुल्क उपचार एवं ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराना है ताकि आर्थिक अभाव के कारण कोई भी बच्चा उपचार से वंचित न रहे शिविर में सत्य साई संजीवनी अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा बच्चों की इको स्क्रीनिंग की जाएगी और आवश्यकतानुसार आगे के उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने ऐसे बच्चों को शिविर में लाने की अपील की है जिन्हें सांस फूलना, जल्दी थक जाना, होंठ या नाखून नीले पड़ना, आंखें लाल रहना वजन न बढ़ना या हृदय संबंधी अन्य समस्याएं दिखाई देती हों जिन बच्चों को पूर्व में डॉक्टर द्वारा दिल में छेद या किसी प्रकार की हृदय संबंधी बीमारी बताई गई हो उन्हें भी शिविर में जांच कराने की सलाह दी गई है।

रामपुर नैकिन CMO को नोटिस जारी

आपदा बैठक से अनुपस्थित रहने पर एसडीएम ने दिए कार्रवाई के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के रामपुर नैकिन में आयोजित ब्लॉक स्तरीय आपदा प्रबंधन बैठक से अनुपस्थित रहने पर नगरपालिका सीएमओ को नोटिस जारी किया जाएगा चुरहट एसडीएम विकास कुमार आनंद ने दोपहर 2 बजे यह निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सूचना के बावजूद बैठक में शामिल न होने वाले सीएमओ से जवाब तलब किया जाएगा और यदि जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया तो मामले को वरिष्ठ स्तर पर भेजकर कड़ी कार्रवाई की जाएगी प्रशासन के इस सख्त रुख से विभागीय अमले में हड़कंप मच गया है। इस महत्वपूर्ण बैठक में आगामी वर्षाकाल और संभावित आपदा परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई एसडीएम ने दोनों नगरपालिकाओं को निर्देश दिए कि जहां नालियों का निर्माण कार्य चल रहा है उसे 15 जून से पहले हर हाल में पूरा किया जाए साथ ही नालियों की साफ-सफाई भी समय रहते सुनिश्चित की जाए ताकि बारिश के दौरान जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो। बैठक में बाणसागर और गुलाबसागर डैम के गेट एक साथ खुलने की स्थिति में प्रभावित होने वाले गांवों की सूची भी तैयार की गई जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि डैम के गेट खोलने की सूचना समय पर एसडीएम और तहसीलदार को अनिवार्य रूप से दी जाए जर्जर और खतरनाक मकानों को चिन्हित कर उन्हें हटाने (डिस्मेंटल) के निर्देश दिए गए। स्कूलों में भी जर्जर भवनों में कक्षाएं संचालित न करने के लिए कहा गया सभी अधिकारी-कर्मचारियों को अपनी गाड़ियों में रस्सी, टॉर्च, जैकेट और फर्स्ट एड किट रखने के निर्देश भी दिए गए। वर्षाकाल में डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड और सर्पदंश जैसी घटनाओं से निपटने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) स्तर पर पर्याप्त दवाइयों एवं एंटी वेनम की उपलब्धता सुनिश्चित करने के आदेश भी बैठक में दिए गए प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आपदा प्रबंधन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मड़वास पुलिस ने लगाया जनता दरबार टीआई ने किया संवाद, ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मड़वास पुलिस ने ग्राम भदौरा में दोपहर 1 बजे जनता चौपाल का आयोजन किया थाना प्रभारी अतर सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पुलिस और आम नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना और ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना था।

जमीनी विवाद और मारपीट की 24 शिकायतें आईं: जनता शिविर में कुल 24 ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं पुलिस प्रशासन के समक्ष रखीं। इनमें सबसे अधिक मामले जमीन विवाद आपसी मारपीट और साइबर धोखाधड़ी से संबंधित थे थाना प्रभारी ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए मौके पर ही उनके निराकरण के निर्देश दिए और शेष मामलों में निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया।

साइबर अपराध और नशे के विरुद्ध किया जागरूक: थाना प्रभारी अतर सिंह ने चौपाल के माध्यम से लोगों को साइबर अपराधों से बचने के तरीके बताए उन्होंने महिला सुरक्षा और कानून व्यवस्था की जानकारी देते हुए युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति सचेत किया। पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अवैध कार्यों की सूचना तत्काल थाने में दें ताकि अपराधों पर अंकुश लगाया जा सके ग्रामीण रवि शंकर शुक्ला सहित अन्य निवासियों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की ग्रामीणों ने बताया कि ऐसे आयोजनों से पुलिस और जनता के बीच का डर कम होता है और सुरक्षा की भावना बढ़ती है।

10 एमवीए ट्रांसफार्मर बदलने के कारण 10 मई को बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 10 मई को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। विद्युत वितरण कंपनी ने जानकारी देते हुए बताया कि 33/11 केव्ही उपकेंद्र कैंपिंग हाउस सीधी में 10 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर बदलने का कार्य किया जाएगा इस महत्वपूर्ण तकनीकी कार्य के चलते सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक संबंधित क्षेत्रों में बिजली सप्लाई बंद रहेगी। विद्युत विभाग के अनुसार ट्रांसफार्मर बदलने का कार्य विद्युत व्यवस्था को अधिक सुचारु एवं बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है विभाग ने बताया कि लंबे समय से बढ़ते विद्युत भार को देखते हुए ट्रांसफार्मर उन्नयन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी कार्य पूर्ण होने के बाद उपभोक्ताओं को बेहतर और स्थिर विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा। विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार शिवाजी नगर, माधुरी, जमोड़ी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, न्यू बस स्टैंड, अंधियार खोह, करौंदिया दक्षिण नाग मंदिर क्षेत्र पोल फैक्ट्री बर्मा कॉलोनी, एमपीईबी कॉलोनी, मुटिगवां सहित आसपास के क्षेत्रों की बिजली सप्लाई प्रभावित रहेगी इन क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों को अस्थायी असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। विद्युत वितरण कंपनी ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि बिजली बंद रहने की अवधि को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कार्य पहले से पूर्ण कर लें विभाग ने विशेष रूप से अस्पतालों, दुकानदारों, छोटे उद्योगों और घरेलू उपभोक्ताओं से वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की सलाह दी है ताकि किसी प्रकार की परेशानी न हो।

दूरस्थ गांवों तक पहुंचीं स्वास्थ्य सेवाएं, 532 ग्रामीणों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष स्वास्थ्य परीक्षण अभियान के तहत शनिवार को चारों विधानसभा क्षेत्रों के चयनित गांवों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक उपचार, परामर्श एवं दवाइयों का वितरण किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी के मार्गदर्शन में आयोजित इन शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित करना और आमजन की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। इसी क्रम में धौहनी विधानसभा के ग्राम पंचायत दुआरी सीधी विधानसभा के ग्राम पंचायत कोचिटा, चुरहट विधानसभा के ग्राम पंचायत उमरिहा तथा सिहावल विधानसभा के ग्राम पंचायत खुटेली में विशेष शिविर लगाए गए। शिविरों में चिकित्सकों द्वारा सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, मौसमी बीमारियों की जांच और आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया गया ग्रामीणों को डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड जैसी बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही पोषण, स्वच्छता, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा नशा मुक्ति के विषय में भी जागरूक किया गया। स्वास्थ्य विभाग एवं आयुष विभाग की टीमों ने ग्रामीणों को जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के प्रति सतर्क रहने और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सामाजिक न्याय विभाग द्वारा भी विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई ताकि ग्रामीण इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। शिविरों में पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया भी पूरी कराई गई अधिकारियों ने बताया कि स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ-साथ शासन की कल्याणकारी योजनाओं को ग्रामीणों तक पहुंचाना भी अभियान का महत्वपूर्ण उद्देश्य है प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत कोचिटा में सर्वाधिक 164 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। वहीं ग्राम पंचायत खुटेली में 139, उमरिहा में 120 तथा दुआरी में 109 ग्रामीणों ने शिविर का लाभ उठाया।

ग्राम सिमरिया में महिला कृषक पाठशाला आयोजित

जैविक खेती, सब्जी उत्पादन और स्वरोजगार के लिए महिलाओं को दिया गया प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं को कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में विकासखंड मझौली के ग्राम सिमरिया में महिला कृषक पाठशाला का आयोजन किया गया जिला प्रशासन के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला सीधी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं को जैविक खेती, सब्जी उत्पादन और कृषि आधारित स्वरोजगार गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। एकीकृत कृषि संकुल योजना के तहत आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आधुनिक एवं टिकाऊ खेती की तकनीकों से परिचित कराना था ताकि वे कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें कार्यक्रम में स्व-सहायता समूहों से जुड़ी लगभग 40 महिला कृषकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को जैविक खेती के महत्व एवं इसके लाभों के बारे में विस्तार से बताया गया विशेषज्ञों ने रासायनिक खेती से होने वाले दुष्प्रभावों पर चर्चा करते हुए प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया महिलाओं को जैविक कीटनाशकों जैसे ब्रह्मास्त्र और नीमास्त्र के निर्माण एवं उपयोग की विधि भी सिखाई गई साथ ही बैकयार्ड सब्जी उत्पादन, पशुपालन और टिकाऊ खेती की तकनीकों पर भी जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में शासन की विभिन्न कृषि एवं ग्रामीण आजीविका योजनाओं की जानकारी भी दी गई ताकि महिलाएं इन योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकें प्रशिक्षकों ने महिलाओं को स्वरोजगार आधारित गतिविधियों से जुड़ने और समूह आधारित कृषि कार्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि सीआरपी लक्ष्मी ताम्रकार, आईएफसी एंकर शारदा केवट, विकासखंड प्रबंधक चंद्रकांत सिंह, सहायक विकासखंड प्रबंधक संजीव सिंह, कृषि सीआरपी मौसम सिंह एवं ललिता साकेत उपस्थित रहे सभी विशेषज्ञों ने महिलाओं को खेती के नए तरीकों और जैविक उत्पादन की उपयोगिता के बारे में व्यवहारिक जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने खेती से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाएं भी साझा कीं प्रशिक्षकों ने उन्हें कम लागत वाली प्राकृतिक खेती अपनाने घर की उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने और खेती को आय का स्थायी साधन बनाने के लिए प्रेरित किया।

प्रदेश व्यापी गिद्ध गणना 2026 के लिए वन विभाग का प्रशिक्षण आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आगामी प्रदेश व्यापी गिद्ध गणना 2026 को लेकर वन विभाग द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई हैं इसी क्रम में वनमण्डल सीधी के सभागार कक्ष में वृत्त स्तरीय ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गिद्धों की पहचान उनके प्राकृतिक रहवास और वैज्ञानिक पद्धति से गणना करने की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रदेश व्यापी गिद्ध गणना का आयोजन 22 से 24 मई 2026 तक किया जाएगा इसके लिए विभागीय अमले को प्रशिक्षित कर मैदानी स्तर पर बेहतर कार्य सुनिश्चित करने की दिशा में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में भोपाल से आए गिद्ध विशेषज्ञ एवं मास्टर ट्रेनर दिलशेर खान विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने मध्यप्रदेश में पाए जाने वाले विभिन्न प्रजातियों के गिद्धों की पहचान उनके संरक्षण और पारिस्थितिकी तंत्र में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी उन्होंने बताया कि गिद्ध प्रकृति के महत्वपूर्ण सफाईकर्मी होते हैं जो मृत पशुओं के अवशेषों को समाप्त कर पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। विशेषज्ञों ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गिद्ध गणना के दौरान अपनाई जाने वाली तकनीकी एवं व्यावहारिक प्रक्रियाओं से भी अवगत कराया प्रशिक्षण में दूरबीन, सर्वेक्षण तकनीक, प्राकृतिक आवास की पहचान और डेटा संकलन की वैज्ञानिक पद्धतियों के बारे में जानकारी साझा की गई। अधिकारियों को बताया गया कि सही गणना से गिद्धों की वास्तविक संख्या और उनके संरक्षण की स्थिति का आकलन किया जा सकेगा। वन विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि प्रशिक्षण के दूसरे चरण में 10 मई 2026 को फील्ड प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जंगल एवं प्राकृतिक क्षेत्रों में ले जाकर गिद्धों की पहचान और गणना की प्रक्रिया का व्यवहारिक अभ्यास कराया जाएगा। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पिछली शीतकालीन गिद्ध गणना में रीवा संभाग को प्रदेश स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ था। इस बार रीवा संभाग को प्रदेश में प्रथम स्थान दिलाने के उद्देश्य से सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने समन्वय और गंभीरता के साथ कार्य करने का संकल्प लिया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में वनमण्डलाधिकारी सीधी प्रीति अहिरवार सहित रीवा, सीधी, सतना एवं सिंगरौली जिलों के एसडीओ, रेंजर एवं वन विभाग का अन्य स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम में पशुपालन विभाग के चिकित्सकों ने भी सहभागिता करते हुए वन्यजीव संरक्षण और गिद्धों के स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए।

दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए लगेगा नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को राहत और सहूलियत प्रदान करने के उद्देश्य से सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर आयोजित किए जाएंगे भारत सरकार की योजना अंतर्गत आयोजित इन शिविरों का संचालन भारत सरकार के उपक्रम एलिम्को के सहयोग से किया जाएगा। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शिविरों का आयोजन 11 मई से 15 मई 2026 तक जिले की विभिन्न जनपद पंचायतों में किया निर्धारित कार्यक्रम के तहत 11 मई को सीधी जनपद पंचायत, 12 मई को सिहावल जनपद पंचायत 13 मई को मझौली जनपद पंचायत 14 मई को रामपुर नैकिन जनपद पंचायत तथा 15 मई को कुसमी जनपद पंचायत में शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में पूर्व में चिन्हांकित एवं चयनित दिव्यांगजनों तथा वरिष्ठ नागरिकों को उनकी आवश्यकता के अनुसार विभिन्न सहायक उपकरण नि:शुल्क प्रदान किए जाएंगे इनमें व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, वॉकर, बैसाखी, श्रवण यंत्र, छड़ी तथा कमोड चेयर जैसे उपकरण शामिल हैं विभाग का उद्देश्य इन उपकरणों के माध्यम से दिव्यांगजनों और बुजुर्गों के दैनिक जीवन को अधिक आसान और आत्मनिर्भर बनाना है सामाजिक न्याय विभाग ने बताया कि जिन हितग्राहियों का पूर्व में पंजीयन एवं चयन किया जा चुका है वे शिविर में अपनी पंजीयन पर्ची अथवा रसीद लेकर अनिवार्य रूप से उपस्थित हों विभाग द्वारा सभी पात्र हितग्राहियों तक सूचना पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर संपर्क अभियान भी चलाया जा रहा है।

हाशिये पर आधी दुनिया: दावे तो बड़े मगर प्रतिनिधित्व कम

संपादकीय

एक बार फिर साबित हुआ कि महिला आरक्षण की जोरदार वकालत करने वाले राजनीतिक दल हकीकत में महिलाओं को उनका हक देने में ईमानदार नहीं हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों में महिलाओं को दिये गए टिकटों ने हकीकत बयां कर दी। महिला आरक्षण के नाम पर पिछले दिनों जमकर राजनीति करने वाले दलों ने तैंतीस प्रतिशत तो दूर, इसकी आधी संख्या के बराबर भी महिलाओं को टिकट नहीं दिए। यह विडंबना ही है कि हालिया विधानसभा चुनावों में एक तो बेहद कम महिलाओं को टिकट दिए गए, दूसरे उनमें भी बहुत कम महिला प्रत्याशी जीतकर विधानसभाओं में पहुंच सकी हैं। उल्लेखनीय है कि हाल में चार राज्यों व एक केंद्रशासित प्रदेश के लिए कुल आठ सौ चौबीस सीटों पर चुनाव संपन्न हुए थे, जिनमें सिर्फ पांच फीसदी सीटों पर ही महिलाएं चुनाव जीतने में सफल हो पायी हैं। दरअसल, जिस प्रतिशत में महिलाओं को आरक्षण देने की पुरजोर वकालत करते राजनीतिक दल नजर आते हैं, उस अनुपात में किसी भी राजनीतिक दल ने उन्हें टिकट नहीं दिए। यहां उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल, जिस राज्य को लेकर देश में सबसे ज्यादा गहमागहमी रही, वहां सत्तारूढ़ भाजपा ने कुल 294 सीटों में से तैंतीस पर ही महिलाओं को टिकट दिए। वहीं दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों में बावन महिलाओं को टिकट दिए। कुल मिलाकर राज्य में सिर्फ दस फीसदी महिलाएं ही विधानसभा पहुंच पायीं। निश्चय यह आंकड़ा 33 फीसदी का एक-तिहाई भी नहीं है। कमोबेश तमिलनाडु में सत्ता की दहलीज पर खड़ी टीवीके ने जिन 234 सीटों पर चुनाव लड़ा, उसमें सिर्फ 24 महिलाओं को ही टिकट दिए गए। इसी तरह असम में सत्ता में आए राजग ने सिर्फ छह महिलाओं को ही उम्मीदार बनाया था। वहीं प्रगतिशील होने का दावा करने वाले कांग्रेस नीत यूडीएफ ने सिर्फ दस महिलाओं को ही टिकट दिए। जाहिर है सभी दलों में महिलाओं को उनका हक देने के प्रति उदासीनता देखी गई।

हालिया विधानसभा चुनावों में महिलाओं को दिए गए टिकट और उनकी जीत के आंकड़े ने एक बार फिर साबित किया कि जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं को न्यायसंगत प्रतिनिधित्व देने के लिए आरक्षण देना अपरिहार्य ही है। किसी भी राजनीतिक दल में स्वतः ही महिलाओं को ईमानदारी से तैंतीस फीसदी आरक्षण देने की इच्छाशक्ति नजर नहीं आती है। कहा जा सकता है कि सभी दल महिला प्रतिनिधित्व के मुद्दे पर सिर्फ औपचारिकता पूरी करते ही नजर आते हैं। इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने का अंतिम विकल्प यथाशीघ्र महिला आरक्षण व्यवस्था ही बचती है।

(विचार मंथन) वरदान, सत्ता और लोकतंत्र : पौराणिक इतिहास इस कलयुग में

सनत जैन

भारतीय पौराणिक कथाओं में भस्मासुर की कथा केवल शक्ति के मद की कथा है, जिसमें व्यक्ति विवेक को खो देता है। सत्ता, अहंकार और विवेक के संतुलन का गहरा संदेश भस्मासुर की कथा है। कथा के अनुसार भगवान शिव ने तपस्या से प्रसन्न होकर भस्मासुर को वरदान दिया। वह जिसके सिर पर हाथ रखेगा, वह भस्म हो जाएगा। वरदान से शक्ति प्राप्त करते ही भस्मासुर वरदान की शक्ति के मद में इतना अंधा हो गया, उसने अपने ही आराध्य देव शिव पर ही हाथ रखने का प्रयास किया। अंततः भगवान ?शिव को अपने ही दिये गए वरदान के कारण भागना पड़ा। उन्हें बचाने के लिए भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण कर भस्मासुर को स्वयं के विनाश की ओर प्रेरित किया। यह कथा आज के लोकतांत्रिक भारत के संदर्भ में भी एक महत्वपूर्ण प्रतीक के रूप में देखी जाने लगी है। जहां जनता अपने आपको ढगा महसूस कर रही है।

लोकतंत्र में जनता ही वास्तविक शक्ति का स्रोत है। जनता अपने मत के माध्यम से किसी सरकार को सत्ता का 'वरदान' देती है। 2014 के बाद भारत में स्थापित वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था, जनता की व्यापक आशाओं, बदलाव की इच्छा और विकास के वादों के आधार पर जनता के वरदान से सत्ता में आई। प्रारंभिक वर्षों में भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्ती, मजबूत नेतृत्व और आर्थिक सुधारों के दावों ने लोगों में सरकार के प्रति नया विश्वास पैदा किया। समय बीतने के साथ समाज के एक बड़े वर्ग में यह भावना विकसित हुई है। सत्ता पूंजीपतियों के हित में काम कर रही है। जनता के बीच में सरकार की दूरी बढ़ती जा रही है।

आज देश में बढ़ती महंगाई आम आदमी की कमर तोड़ रही है। बेरोजगारी युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी है। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतें महंगी होती जा रही हैं, आम जनता कर्ज के बोझ से दबती जा रही है। जबकि दूसरी ओर बड़े उद्योगपतियों और पूंजीपतियों को मिलने वाली सुविधाएं बढ़ती चली जा रही है। यह धारणा मजबूत हुई है कि आर्थिक नीतियों का लाभ समाज के ऊपरी वर्ग तक अधिक सीमित हो रहा है, जबकि गरीब और मध्यम वर्ग 2 वक्त के भोजन के लिये संघर्षरत है। गरीबों पर टेक्स बढ़ता जा रहा है। अमीरों के टेक्स घटाये जा रहे हैं। गरीबों के लिये अलग नियम और कानून है। अमीरों के लिये अलग कानून है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत समानता और समान न्याय का सिद्धांत है। जब समाज में यह भावना जन्म लेने लगे, गरीबों और अमीरों के लिए कानून और न्याय की व्यवस्था अलग-अलग तरीके से काम कर रही है, तब लोकतंत्र कमजोर होने लगता है। सत्ता यदि गरीबों की नहीं सुनती है, बल्कि जनता को भार समझने लगे, संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता पर प्रश्न उठने लगे। आम नागरिक स्वयं को असहाय महसूस करने लगे, तो यह स्थिति चिंताजनक हो जाती है।

वर्तमान स्थिति में भस्मासुर की कथा एक ज्ञान के रूप में सामने आती है। जनता द्वारा दी गई शक्ति से बनी सरकार यदि जनता के हितों से दूर जाकर, निजी स्वार्थ और सत्ता संरक्षण, प्रचार और चुनिंदा लोगों के हित में केंद्रित हो जाए, तो वही शक्ति अंततः विश्वास को कमजोर कर सकती है, जो अंत का कारण बनता है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में ही होता है। चुनाव, जनमत और लोकतांत्रिक संस्थाएं वही 'मोहिनी' हैं, जो सत्ता में बैठे लोगों में अहंकार और असीमित सत्ता के मद में झोंककर भस्मासुर की तरह उनका अंत करने का कारण बनती है।

भारत का लोकतंत्र केवल सरकारों से नहीं, बल्कि जागरूक नागरिकों से मजबूत होता है। आवश्यक है, जनता सरकार से प्रश्न पूछे, सरकार को उसके कर्तव्य के प्रति जवाबदेह बनाये। सत्ता में बैठे लोग यह याद रखें कि लोकतंत्र में जनता द्वारा दिया गया हर 'वरदान' स्थायी नहीं होता। जनता जब चाहती है, वही शक्ति परिवर्तन का माध्यम भी बन जाती है। जनता का स्वरुप भीड़ में है। भीड़ में ज्ञान नहीं होता है।

बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार: बंगाली अस्मिता, क्षेत्रीय गौरव और स्थानीय नेतृत्व को प्रमुखता

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

पहले नंदीग्राम अब भवानीपुर सीट से दीदी को हराना प्रतीकात्मक राजनीतिक संदेश, नेतृत्व परिवर्तन का संकेत- बंगाल की जनता ने राज्य की राजनीति को नई दिशा देने का फैसला

पश्चिम बंगाल बदलते राजनीतिक भारत की वह तस्वीर है जहां क्षेत्रीय राजनीति, राष्ट्रीय रणनीति, नेतृत्व की छवि और जनमत की दिशा तेजी से बदल रही है वैश्विक स्तरपर भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 8 मई 2026 का दिन एक बड़े राजनीतिक परिवर्तन के रूप में दर्ज हो गया,जब पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी ने अपने विधायक दल की बैठक में शुभेंदुअधिकारी को विधायक दल का नेता चुना गया,विधायक दल की बैठक में वरिष्ठ भाजपा नेता दिलीप घोष ने सुवेंदु अधिकारी के नाम का प्रस्ताव रखा। विधायकों को को पूरा मौका दिया गया कोई दूसरा नाम नहीं आया था ऐसा पर्यवेक्षक ने प्रेस में बताया।प्रस्ताव क़ा समर्थन आठ से अधिक विधायकों सहित कई विधायकों ने किया और सर्वसम्मति से उन्हें नेता चुना गया जिसकी घोषणा पर्यवेक्षक अमित शाह ने की तथा माला पहनाकर उनको गले लगाया, वे अपने पास गृह विभाग रख सकते हैं। संभवतः भाजपा दो उपमुख्यमंत्री वाला मॉडल अपना सकती है,जिसमें एक संभवतः रूपा गांगुली व दूसरा दार्जिलिंग क्षेत्र से बनाने की संभावना है और सामाजिक संतुलन साधने की कोशिश होगी। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि मुख्यमंत्री चुनकर एक ऐसे राजनीतिक अध्याय की शुरुआत कर दी हैं,जिसकी कल्पना कुछ वर्ष पहले तक असंभव मानी जाती थी। दशकों तक वामपंथ और फिर तृणमूल कांग्रेस के प्रभुत्व वाले बंगाल में भाजपा का सत्ता तक पहुंचना केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि भारत की बदलती राजनीतिक धारा, क्षेत्रीय राजनीति के पुनर्संतुलन और राष्ट्रीय दलों के विस्तार की नई कहानी है। कोलकाता के विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में हुई भाजपा विधायक दल की बैठक पर केवल भारत ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विश्लेषकों की भी नजर थी, क्योंकि यह तय होना था कि आखिर उस ऐतिहासिक जनादेश का नेतृत्व कौन करेगा जिसनेबंगाल की राजनीति को पूरी तरह बदल दिया। अंततः वही हुआ जिसकी राजनीतिक गलियारों में लंबे समय से चर्चा थी शुभेंदु अधिकारी को विधायक दल का नेता चुन लिया गया और उनके मुख्यमंत्री बनने का मार्ग औपचारिक रूप से प्रशस्त हो गया।

साथियों बात अगर हम इस ऐतिहासिक स्थिति की करें तो यह फैसला केवल एक व्यक्ति के मुख्यमंत्री बनने की कहानी नहीं है,बल्कि यह उस राजनीतिक यात्रा का परिणाम है जिसमें बंगाल की जनता ने लंबे समय से स्थापित सत्ता संरचना को चुनौती देते हुए एक नए विकल्प पर भरोसा जताया। भाजपा को 293 में से 207 सीटों का स्पष्ट बहुमत मिलना इस बात का संकेत है कि राज्य की राजनीति में व्यापक जनमत परिवर्तन हुआ है। यह जीत सामान्य चुनावी सफलता नहीं मानी जा सकती, क्योंकि बंगाल लंबे समय तक भाजपा के लिए सबसे कठिन राजनीतिक क्षेत्रों में गिना जाता था। ऐसे में शुभेंदु अधिकारी का मुख्यमंत्री चुना जाना भाजपा की रणनीतिक राजनीति, संगठनात्मक विस्तार और बंगाल में क्षेत्रीय भावनाओं को समझने की क्षमता का सटीक परिणाम माना जा रहा है।

साथियों बात अगर कर हम मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की राजनीतिक यात्रा को समझने की करें तो भी इस ऐतिहासिक क्षण को और अधिक महत्वपूर्ण बनाती है। कभी ममता बनर्जी के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में शामिल रहे अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामा था और तभी से बंगाल की राजनीति में एक बड़े वैचारिक संघर्ष की शुरुआत हो गई थी। नंदीग्राम में ममता बनर्जी को हराने के बाद उनका राजनीतिक कद लगातार बढ़ता गया। 4 में 2026 को रिजल्ट आए इस चुनाव में भवानीपुर सीट पर ममता बनर्जी को 15,000 से अधिक वोटों से हराना केवल चुनावी जीत नहीं बल्कि प्रतीकात्मक राजनीतिक संदेश भी था। यह उस नेतृत्व परिवर्तन का संकेत था जिसमें बंगाल की जनता ने राज्य की राजनीति को नई दिशा देने का फैसला किया।

साथियों बात अगर हम राजनीतिक दृष्टि से इसे देखकर समझने की करें तो भारी जीत के साथ दर्ज किए गए इस चुनाव में एक अत्यंत महत्वपूर्ण रणनीति अपनाई। लंबे समय तक यह आरोप लगाया जाता रहा कि भाजपा बंगाल में बाहरी नेतृत्व पर निर्भर है और उसके पास स्थानीय बंगाली चेहरा नहीं है। लेकिन इस चुनाव में पार्टी ने स्पष्ट रूप से स्थानीय नेतृत्व को केंद्र में रखा। शुभेंदु अधिकारी को चुनाव अभियान का प्रमुख चेहरा बनाना इसी रणनीति का हिस्सा था। भाजपा ने समझ लिया था कि बंगाल जैसे सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील राज्य में केवल राष्ट्रीय मुद्दों के आधार पर सत्ता हासिल करना संभव नहीं होगा। इसलिए बंगाली अस्मिता,क्षेत्रीय गौरव और स्थानीय नेतृत्व को प्रमुखता दी गई।शुभेंदु अधिकारी इस रणनीति के सबसे उपयुक्त चेहरे साबित हुए।

साथियों बात अगर कर हम विधायक दल का नेता चुनने की प्रक्रिया की करें तो केंद्रीय गृह मंत्री की विधायक दल की बैठक में पर्यवेक्षक के रूप में मौजूदगी ने इस फैसले को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया।यह केवल औपचारिक उपस्थिति नहीं थी बल्कि इससे यह संदेश गया कि भाजपा नेतृत्व बंगाल की सत्ता परिवर्तन को राष्ट्रीय राजनीति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानता है।अमित शाह लंबे समय से बंगाल भाजपा के विस्तार के प्रमुख रणनीतिकार रहे हैं। उनके नेतृत्व में भाजपा ने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत किया और राज्य में राजनीतिक ध्रुवीकरण को अपने पक्ष में मोड़ने का प्रयास किया। विधायक दल की बैठक में उनकी मौजूदगी ने यह स्पष्ट कर दिया कि बंगाल में बनने वाली सरकार केवल राज्य की सरकार नहीं बल्कि भाजपा की राष्ट्रीय राजनीतिक परियोजना का महत्वपूर्ण हिस्सा होगी।

साथियों बात अगर हम शुभेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने के पीछे कई राजनीतिक कारण रहे, इसको समझने की करें तो सबसे पहला कारण उनका मजबूत जनाधार है। वे लंबे समय से बंगाल में भाजपा के सबसे आक्रामक नेताओं में गिने जाते रहे हैं। उनकी राजनीतिक शैली सीधे जनसंपर्क और तीखे राजनीतिक हमलों के लिए जानी जाती है। ग्रामीण बंगाल में उनका प्रभाव विशेष रूप से मजबूत माना जाता है। भाजपा को यह एहसास था कि बंगाल जैसे राजनीतिक रूप से जटिल राज्य में ऐसे नेता की आवश्यकता होगी जो संगठन और जनता दोनों के बीच समान रूप से प्रभावशाली हो।अधिकारी इस कसौटी पर पूरी तरह खरे उतरे।दूसरा महत्वपूर्ण कारण उनका राजनीतिक अनुभव और प्रशासनिक समझ है। तृणमूल कांग्रेस में रहते हुए उन्होंने लंबे समय तक संगठन और सरकार दोनों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई। उन्हें बंगाल की प्रशासनिक संरचना,स्थानीय सत्ता समीकरण और क्षेत्रीय सामाजिक संरचना की गहरी समझ है। भाजपा के लिए यह अनुभव अत्यंत उपयोगी माना गया क्योंकि सत्ता परिवर्तन के बाद सबसे बड़ी चुनौती प्रशासनिक स्थिरता बनाए रखने की होगी। तीसरा बड़ा कारण केंद्रीय नेतृत्व के साथ उनका मजबूत तालमेल माना जाता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अमित शाह और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के साथ शुभेंदु अधिकारी के संबंध अत्यंत मजबूत हैं। भाजपा ऐसे राज्य में सत्ता संभालने जा रही है जहां उसे प्रशासनिक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर तीव्र चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में पार्टी ऐसा मुख्यमंत्री चाहती थी जो केंद्र और राज्य के बीच मजबूत सटीकता से समन्वय स्थापित कर सके। साथियों बात अगर हम इस राजनीतिक घटनाक्रम का एक भावनात्मक पहलू को समझने की करें तो । हाल ही में उनके करीबी सहयोगी की हत्या ने पूरे चुनावी माहौल को प्रभावित किया था। भाजपा ने इसे राजनीतिक हिंसा और लोकतंत्र पर हमले के रूप में प्रस्तुत किया। इससे शुभेंदु अधिकारी के प्रति सहानुभूति की लहर भी बनी, जिसका चुनावी प्रभाव देखने को मिला। बंगाल लंबे समय से राजनीतिक हिंसा के आरोपों से घिरा रहा है और भाजपा ने इस मुद्दे को अपने चुनाव अभियान का प्रमुख हिस्सा बनाया। अधिकारी इस राजनीतिक नैरेटिव के केंद्र में रहे।अब जब शुभेंदु अधिकारी मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं तो सबसे बड़ी चर्चा नई सरकार की संरचना को लेकर हो रही है। खबरें हैं कि बंगाल में दो उपमुख्यमंत्री बनाए जा सकते हैं ताकि क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन स्थापित किया जा सके। भाजपा समझती है कि बंगाल की राजनीति केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है। राज्य में लंबे समय तक स्थायी राजनीतिक आधार बनाने के लिए उसे उत्तर बंगाल, दक्षिण बंगाल, आदिवासी क्षेत्रों, शहरी मतदाताओं और धार्मिक- सामाजिक समूहों के बीच संतुलन बनाना होगा। दो उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की चर्चा इसी राजनीतिक रणनीति का सटीक हिस्सा मानी जा रही है। साथियों बात अगर हम 9 मई 2026 को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में हो रहे शपथ ग्रहण समारोह को समझने की करें तो राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह केवल संवैधानिक प्रक्रिया नहीं बल्कि शक्ति प्रदर्शन और राजनीतिक संदेश देने का मंच भी होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इसमें शामिल होने की संभावना ने इस समारोह को राष्ट्रीय स्तर का महत्व दे दिया है। भाजपा इस शपथ ग्रहण को बंगाल में नई राजनीतिक शुरुआत के रूप में प्रस्तुत करना चाहती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस राजनीतिक परिवर्तन को गंभीरता से देखा जा रहा है।पश्चिम बंगाल भारत कासामरिक और आर्थिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण राज्य है।बांग्लादेश, नेपाल और पूर्वोत्तर भारत के प्रवेश द्वार के रूप में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। ऐसे में राज्य में सत्ता परिवर्तन का असर केवल स्थानीय राजनीति तक सीमित नहीं रहेगा। विदेश नीति, सीमा सुरक्षा, व्यापार और क्षेत्रीय भू-राजनीति पर भी इसके प्रभाव पड़ सकते हैं।आर्थिक दृष्टि से भी भाजपा सरकार के गठन को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। लंबे समय से उद्योग और निवेश के मामले में बंगाल अपेक्षित प्रगति नहीं कर पाया था। भाजपा ने चुनाव अभियान में राज्य कोऔद्योगिक और निवेश केंद्र बनाने का वादा किया था। अब शुभेंदु अधिकारी सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती रोजगार,उद्योग और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में तेज बदलाव लाने की होगी। निवेशकों की नजर अब नई सरकार की नीतियों पर होगी। यदि भाजपा केंद्र और राज्य के समन्वय से बड़े निवेश आकर्षित करने में सफल होती है तोबंगाल की अर्थव्यवस्था में बड़ा परिवर्तन संभव है।हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं होंगी। भाजपा को प्रशासनिक ढांचे में विश्वास कायम करना होगा। राज्य में राजनीतिक ध्रुवीकरण अत्यधिक गहरा है। तृणमूल कांग्रेस अभी भी मजबूत सामाजिक और राजनीतिक आधार रखती है। ऐसे में नई सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती राजनीतिक स्थिरता और सामाजिक सामंजस्य बनाए रखने की होगी। यदि सरकार प्रतिशोध की राजनीति से बचते हुए प्रशासनिक सुधार और विकास पर ध्यान केंद्रित करती है तो यह भाजपा के लिए दीर्घकालिक सफलता का आधार बन सकता है।ममता बनर्जी की राजनीतिक पराजय भी भारतीय राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत है। एक समय ऐसा था जब उन्हें भाजपा विरोधी राजनीति का सबसे बड़ा चेहरा माना जाता था। लेकिन इस चुनाव ने दिखा दिया कि भारतीय राजनीति में कोई भी नेतृत्व स्थायी नहीं होता। जनता समय-समय पर सत्ता परिवर्तन के माध्यम से लोकतंत्र की शक्ति का प्रदर्शन करती है। बंगाल के चुनाव परिणाम इसीलोकतांत्रिक परिवर्तन का उदाहरण हैं। साथियों बात अगर हम राजनीतिक विश्लेषकों केविचारों को समझने की करें तो उनका मानना है कि बंगाल में भाजपा की जीत और शुभेंदु अधिकारी का मुख्यमंत्री बनना आने वाले वर्षों की राष्ट्रीय राजनीति को भी प्रभावित करेगा। इससे भाजपा को पूर्वी भारत में और अधिक विस्तार का मनोवैज्ञानिक लाभ मिलेगा। साथ ही विपक्षी दलों की रणनीतियों में भी बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। क्षेत्रीय दलों के सामने यह चुनौती होगी कि वे भाजपा के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला कैसे करें। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी का मुख्यमंत्री चुना जाना केवल सत्ता परिवर्तन नहीं बल्कि भारतीय राजनीति के नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। यह उस बदलते राजनीतिक भारत की तस्वीर है जहां क्षेत्रीय राजनीति, राष्ट्रीय रणनीति, नेतृत्व की छवि और जनमत की दिशा तेजी से बदल रही है। बंगाल की जनता ने एक नया अध्याय लिखा है और अब पूरे देश की नजर इस बात पर होगी कि शुभेंदु अधिकारी इस ऐतिहासिक जनादेश को किस दिशा में ले जाते हैं।

हजारों बेगुनाहों की जान ले चुकी है बंगाल की खूनी सियासत!

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का एक लंबा और खूनी इतिहास रहा है, जो दशकों से चला आ रहा है।पश्चिम बंगाल... एक ऐसा राज्य जहां सियासी दुश्मनों को हराया नहीं, बल्कि खत्म कर दिया जाता है। यहां पार्टियां बदलती हैं, सरकारें बदलती हैं, लेकिन हिंसा की राजनीति का तरीका नहीं बदलता। बंगाल की शान, उसका गौरवशाली इतिहास और बौद्धिक संस्कृति, इन सबको 34 साल के कम्युनिस्ट शासन की खूनी सियासत ने धुंधला कर दिया। गांव से लेकर कोलकाता के सत्ता के गलियारों तक, पार्टी ही सरकार थी और सरकार ही पार्टी। इसी कैडर कल्चर से सियासी दुश्मनी ने जन्म लिया। वोट कौन किसे देगा, ये लोग नहीं, पार्टी तय करती थी। एक पूरी पीढ़ी तक राज करने वाली लेफ्ट पार्टियों ने पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा की नींव डाल दी।

मनोज कुमार अग्रवाल

गांवों में पड़ोस के घरों से लेकर कोलकाता की सड़कों तक, राजनीतिक विरोधियों को हिंसक तरीके से कुचलना एक संस्कृति बन गई। लेफ्ट पार्टियों ने यह सब सिर्फ इसलिए किया क्योंकि वे किसी भी कीमत पर सत्ता में बने रहना चाहते थे। 34 साल के कम्युनिस्ट राज में 20,000 से ज़्यादा राजनीतिक हत्याएं हुईं और अनगिनत रेप हुए। कर्नाटक में बैठकर वहां हुए इस कुशासन का अंदाज़ा लगाना भी मुश्किल है।

खूनी राजनीति के बीच एक उम्मीद बनकर उभरीं ममता बनर्जी। लेफ्ट की हिंसक राजनीति को हराकर सत्ता में तो आईं, लेकिन अपनी कुर्सी बचाने के लिए उन्होंने भी वही रास्ता अपना लिया। बंगाल की टीएमसी में कार्यकर्ता कितने थे पता नहीं, पर गुंडों की कोई कमी नहीं थी। 2018 का पंचायत चुनाव हो, 2021 के चुनाव के बाद की हिंसा हो, या 2023 के पंचायत चुनाव के बाद का खून-खराबा में 60 लोगों की मौत यह सिलसिला जारी है । विरोधी पार्टियों के दफ्तरों में आग लगाना, लोगों के घरों में घुसकर टीएमसी को वोट देने की धमकी देना मारपीट ध्रुवीकरण बंगाल में आम बात हो गई। गांवों में टीएमसी का विरोध करने वालों के पास दो ही रास्ते थे - या तो गांव छोड़ दो, या टीएमसी को वोट दो। टीएमसी का विरोध करने वालों को जहां-तहां पीटा गया, झूठे केसों में जेल में डाल दिया गया। जिन्होंने विरोध किया, उन्हें खत्म कर दिया गया और उनके घर की महिलाओं पर अत्याचार किए गए। यहां तक कि ममता बनर्जी के खिलाफ लिखने वाले पत्रकारों को भी नहीं बख्शा गया।

आरोप है कि ममता सरकार के राज में 300 से ज़्यादा राजनीतिक हत्याएं हुईं, जबकि रेप के मामलों का तो कोई हिसाब ही नहीं। कई महिलाओं ने तो इज्जत के डर से पुलिस स्टेशन का मुंह तक नहीं देखा। उन्हें यह भी भरोसा नहीं था कि अगर वे शिकायत करने गईं तो सुरक्षित घर लौट पाएंगी।

2021 तक टीएमसी की खूनी राजनीति एक स्तर पर थी, लेकिन उसके बाद के हालात और भी भयानक हो गए। थोक में वोट पाने के लिए मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति, अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए रेड कार्पेट बिछाना, और सिर्फ इसलिए हिंदुओं को निशाना बनाना क्योंकि उन्होंने बीजेपी का समर्थन किया था, यह सब टीएमसी के दबंगई और गुंडई के जरिए चल रहा था। बंगाल के लोगों के सब्र का बांध टूटने में 15 साल लग गए। इसका नतीजा ये हुआ कि 2011 में एक भी सीट न जीत पाने वाली बीजेपी, 2016 में 3 सीटों पर सिमटने वाली बीजेपी, आज 77 से 206 सीटें जीतने के स्तर पर आ गई है।

उम्मीद है कि कम्युनिस्टों द्वारा शुरू की गई और टीएमसी द्वारा आगे बढ़ाई गई इस खूनी राजनीति को बीजेपी आगे नहीं बढ़ाएगी। बंगाल के लिए बीजेपी का यही सबसे बड़ा अच्छा काम होगा। क्योंकि जो लोग पहले लेफ्ट और टीएमसी के कैडर थे, वही आज बीजेपी का झंडा उठा रहे हैं। पार्टियां और सरकारें बदल गईं, लेकिन हिंसा की जहरीली सियासी संस्कृति अब यहीं खत्म होनी चाहिए।

राज्य में सत्ता परिवर्तन के बावजूद, चुनावी और राजनीतिक हिंसा का सिलसिला थमा नहीं है, चाहे वह वामपंथी शासन सीपीएम का दौर हो या वर्तमान तृणमूल कांग्रेस का दौर।आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल की खूनी राजनीति के बंगाल में सियासी हिंसा का दौर 1959 के खाद्य आंदोलन से शुरू होकर आज छह दशक बाद भी जारी है। एनसीआरबी की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम बंगाल में भारत में सबसे अधिक राजनीतिक हत्याएं दर्ज की गई हैं। 2021 के विधानसभा चुनाव, 2018 के पंचायत चुनाव और 2013 के पंचायत चुनावों के दौरान राज्य में व्यापक हिंसा और हत्याएं देखी गई।

ताज़ा घटना क्रम में बीजेपी के शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या सहित चुनाव बाद हिंसा की घटनाओं ने सियासी माहौल को गरमा दिया है। पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों के सामने आने के बाद बुधवार (6 मई) देर रात शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या से हड़कंप मच गया है. अब तक की जांच में सामने आया है कि हत्या में इस्तेमाल की गई गाड़ी पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी. गोली लगने के बाद चंद्रनाथ रथ को विवासिटी हॉस्पिटल लाया गया था, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया. पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम के बाद ये आशंका ज़ाहिर की जा रही थी कि हिंसक घटनाएं हो सकती हैं.पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम आने के बाद मंगलवार और बुधवार को हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं. भाजपा और टीएमसी के पार्टी प्रतिनिधियों ने दावा किया कि पिछले 24 घंटों में पूरे पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई कथित झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई.

एचटी की रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा के एक पार्टी प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि जहां उत्तरी 24 परगना के न्यू टाउन और हावड़ा के उदय नारायणपुर में भाजपा के दो कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई. वहीं टीएमसी ने कहा कि कोलकाता के बेलेघाटा और बीरभूम के नानूर में उसके दो सदस्यों की हत्या हुई है.

उधर पश्चिम बंगाल में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने अपने पीए निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर की गई हत्या को एक सुनियोजित साजिश और कोल्ड-ब्लडेड मर्डर करार दिया है। यह घटना 6 मई 2026 की रात को मध्यमग्राम में हुई, जब वह अपने घर लौट रहे थे। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि यह एक 100% पूर्वनियोजित मर्डर है। हत्यारों ने 2-3 दिनों तक रेकी की थी और योजना के तहत इस घटना को अंजाम दिया।शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि उनकी हत्या इसलिए की गई क्योंकि वह मेरे पीए थे। उन्होंने इसे भवानीपुर में ममता बनर्जी की हार का बदला भी बताया।शुभेंदु ने इस हत्या को पश्चिम बंगाल में जारी 15 साल के महाजंगल राज का नतीजा बताया और कहा कि वे बंगाल से गुंडों का सफाया करेंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली से नेतृत्व ने इस घटना की जानकारी ली है और वे लगातार संपर्क में हैं। राज्य में तोड़फोड़ और हिंसा की कई ख़बरें आने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने बयान जारी कर आरोप लगाया था कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लोग अपनी पहचान बदलकर ऐसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं और इन्हें बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

हिंसा की घटनाओं के बाद चुनाव आयोग ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए हैं।हिंसा में शामिल दलों में तृणमूल कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस शामिल हैं, जो राज्य में वर्चस्व के लिए अक्सर संघर्षरत रहते हैं। सवाल यह है कि पिछले पांच दशक में पश्चिमी बंगाल में ऐसी राजनीतिक संस्कृति पैदा की गई है जिसमें हिंसा दबंगई संप्रदायवाद तुष्टिकरण और कदाचार का बोलबाला है क्या आने वाले समय में भाजपा सरकार इस अपराधिक अराजकता पर काबू पाकर राज्य में अमन चैन स्थापित करने में सफल होगी या खून-खराबे की सियासत इसी तरह राज्य की राजनीति पर एक बदनुमा दाग बनी रहेगी।

पचमढ़ी में 12वीं राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता शुरू, शिक्षा विभाग के 550 खिलाड़ी शामिल, टीमों ने मार्च पास्ट किया

मीडिया ऑडीटर,पिपरिया (निप्र)। पचमढ़ी में शनिवार को 12वीं राज्य स्तरीय शिक्षा विभाग अधिकारी-कर्मचारी खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ यह आयोजन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में संपन्न हुआ। लोक शिक्षा संचालनालय भोपाल के आलोक खरे कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे रीना टोरी और चाणक्य बक्शी भी विशेष अतिथि के तौर पर मौजूद थे। प्रतियोगिता का शुभारंभ मां सरस्वती पूजन और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

प्रतियोगिता के संगठन सचिव और जिला शिक्षा अधिकारी एल.एन. प्रजापति ने बताया कि इस राज्य स्तरीय आयोजन में लगभग 550 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं इनमें भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, सागर, इंदौर, शहडोल, नर्मदापुरम संभागों और जनजातीय कार्य विभाग की टीमें शामिल हैं प्रतियोगिता में वॉलीबॉल और कबड्डी खेल खेले जाएंगे।

मध्यप्रदेश लोक शिक्षण संचालनालय के आलोक खरे ने कहा खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि एक-दूसरे को समझने, जोड़ने और संस्कृतियों को जानने का माध्यम हैं यह प्रतियोगिता शिक्षा परिवार को एक सूत्र में पिरोने का सुंदर प्रयास है। जिला खेल अधिकारी वंदना रघुवंशी और संतोष यादव ने अतिथियों को ध्वजारोहण स्थल पर आमंत्रित किया इसके बाद शपथ ग्रहण समारोह हुआ और प्रतियोगिता के उद्घाटन की औपचारिक घोषणा की गई सभी खिलाड़ी टीमों ने ध्वज के साथ मैदान में मार्च पास्ट किय इस अवसर पर बीईओ एस.एल. रघुवंशी, बीआरसी प्रदीप शर्मा, सालकांत बहादुर, प्रशांत द्विवेदी, उमेश बरैया, मनीष गुप्ता, हिमांशु बड़कुर, रामनिवास जाट, राजेंद्र नामदेव और अरविंद शर्मा सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन डी.एन. व्यास और अश्वनी मालवीय ने किया।

नवपदस्थ कलेक्टर संतन देवी जांगड़े आज करेंगी मीडिया से पहली औपचारिक मुलाकात

कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित होगी प्रेस वार्ता, विकास प्राथमिकताओं पर रखेंगी विचार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले की नवपदस्थ कलेक्टर संतन देवी जांगड़े आज प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों से रूबरू होंगी कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में दोपहर 2 बजे आयोजित होने वाली इस प्रेस वार्ता को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है पदभार ग्रहण करने के बाद यह उनकी मीडिया के साथ पहली आधिकारिक मुलाकात होगी, जिसमें वे जिले के विकास, प्रशासनिक प्राथमिकताओं और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर अपनी कार्ययोजना साझा करेंगी प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार प्रेस वार्ता का मुख्य उद्देश्य मीडिया के माध्यम से आमजन तक शासन की योजनाओं और प्रशासनिक गतिविधियों की सटीक जानकारी पहुंचाना है। इसके साथ ही जिले की प्रमुख समस्याओं विकास कार्यों और जनसुविधाओं को लेकर मीडिया प्रतिनिधियों से सुझाव भी लिए जाएंगे कलेक्टर जांगड़े जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना, पेयजल, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास जैसे विषयों पर प्रशासन की प्राथमिकताओं को विस्तार से सामने रख सकती हैं। इसके अलावा शासन की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा आम नागरिकों तक उनका लाभ पहुंचाने की दिशा में प्रशासन की रणनीति पर भी चर्चा होने की संभावना है प्रेस वार्ता में जिले के प्रमुख समाचार पत्रों टीवी चैनलों, डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म और अन्य मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रहेगी प्रशासन का मानना है कि मीडिया लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है और जनहित से जुड़ी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में उसकी अहम भूमिका होती है इसी उद्देश्य से संवाद और समन्वय को मजबूत करने के लिए इस प्रकार की बैठक आयोजित की जा रही है सूत्रों के मुताबिक, कलेक्टर जिले में पारदर्शी प्रशासन त्वरित समस्या समाधान और जनता से सीधे संवाद की व्यवस्था को प्राथमिकता देने पर जोर दे सकती हैं वहीं पत्रकारों को भी जिले की जमीनी समस्याओं और विकास संबंधी मुद्दों को प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिलेगा जिले के प्रशासनिक हलकों में इस प्रेस वार्ता को लेकर उत्सुकता देखी जा रही है माना जा रहा है कि इस संवाद के माध्यम से प्रशासन और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा जिससे जिले के विकास कार्यों को नई गति मिल सकेगी।

अन्न-सहायता सुविधा शुरू 15 मई तक चलेगा विशेष अभियान

ई-पॉस के साथ QR कोड स्कैन कर घर बैठे कर सकेंगे मोबाइल नंबर अपडेट, जिले के राशनकार्ड धारकों को बड़ी राहत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के राशनकार्ड धारकों के लिए खाद्य विभाग ने एक नई डिजिटल सुविधा शुरू की है भारत सरकार एवं खाद्य विभाग द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से अन्न-सहायता व्हाट्सएप सेवा प्रारंभ की गई है इस नई व्यवस्था के तहत अब हितग्राही अपने राशन कार्ड में मोबाइल नंबर घर बैठे आसानी से अपडेट कर सकेंगे जिला खाद्य अधिकारी विष्णु नारायण शुक्ला ने बताया कि जिले के सभी खाद्य निरीक्षकों एवं शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालकों को इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं विभाग का उद्देश्य जिले के सभी राशनकार्ड धारकों के मोबाइल नंबर को डिजिटल माध्यम से अपडेट कर सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाना है। जारी निर्देशों के अनुसार अब राशनकार्डधारी केवल ई-पॉस मशीन पर निर्भर नहीं रहेंगे, बल्कि व्हाट्सएप पर उपलब्ध विशेष क्यूआर कोड को स्कैन कर भी अपने मोबाइल नंबर अपडेट कर सकेंगे इसके लिए हितग्राही को राशन कार्ड क्रमांक आधार नंबर के अंतिम चार अंक एवं नया मोबाइल नंबर दर्ज करना होगा इसके बाद ओटीपी सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने पर मोबाइल नंबर सफलतापूर्वक अपडेट हो जाएगा और इसकी सूचना एसएमएस के माध्यम से प्राप्त होगी खाद्य विभाग ने जिले की सभी उचित मूल्य दुकानों में अन्न-सहायता सुविधा से संबंधित क्यूआर कोड को प्रमुख स्थानों पर लगाने के निर्देश दिए हैं ताकि अधिक से अधिक लोग इस सुविधा का लाभ उठा सकें दुकानदारों और खाद्य निरीक्षकों को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा राशनकार्ड धारकों को मोबाइल नंबर अपडेट कराने के लिए जागरूक करने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि मोबाइल नंबर अपडेट होने से राशन वितरण से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण सूचनाएं सीधे हितग्राहियों तक पहुंच सकेंगी इससे राशन वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी और किसी प्रकार की गड़बड़ी या फर्जीवाड़े पर भी नियंत्रण लगाया जा सकेगा इसके अलावा हितग्राहियों को राशन प्राप्ति, पात्रता और अन्य योजनाओं से संबंधित जानकारी समय पर मोबाइल संदेश के माध्यम से मिल सकेगी। विभाग द्वारा यह विशेष अभियान 15 मई 2026 तक चलाया जाएगा। सभी खाद्य निरीक्षकों एवं उचित मूल्य दुकान संचालकों को निर्देशित किया गया है कि अभियान को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कर उसका पालन प्रतिवेदन कलेक्टर कार्यालय की खाद्य शाखा में प्रस्तुत करें प्रशासन ने जिले के सभी राशनकार्ड धारकों से अपील की है कि वे समय रहते अपने मोबाइल नंबर अपडेट कर इस डिजिटल सुविधा का लाभ उठाएं माना जा रहा है कि अन्न-सहायता सेवा सार्वजनिक वितरण प्रणाली को आधुनिक, पारदर्शी और जनहितैषी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

ट्रक से टकराई एंबुलेंस, तड़पता रहा ड्राइवर एक घंटे बाद पहुंची एंबुलेंस

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। सीहोर-इछावर स्टेट हाईवे पर एंबुलेंस और ट्रक के बीच भिड़ंत हो गई हादसे में एंबुलेंस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया जबकि ड्राइवर केबिन में बुरी तरह फंस गया मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद केबिन काटकर घायल चालक को बाहर निकाला उसे अस्पताल पहुंचाने के लिए ग्रामीणों ने दूसरी एंबुलेंस को सूचना दी, लेकिन एक घंटे तक कोई एंबुलेंस नहीं पहुंची समय पर मेडिकल मदद नहीं मिलने से लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी देखने को मिली घटना शुक्रवार देर रात दो पुलिया जोड़ के पास की है चश्मदीदों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि एंबुलेंस चालक अकसर बिना आपात स्थिति या मरीज के भी हाईवे पर तेज रफ्तार में सायरन बजाकर गाड़ियां चलाते हैं उन्होंने इन सरकारी वाहनों का निजी कार्यों के लिए उपयोग करने का भी आरोप लगाया लोगों का कहना है कि इसी वजह से कई बार वास्तविक मरीजों को समय पर एंबुलेंस नहीं मिल पाती है।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात बहाल कराया शुरुआती जांच में दुर्घटना की मुख्य वजह तेज रफ्तार और लापरवाही मानी जा रही है इछावर थाना प्रभारी पंकज वाडेकर ने बताया कि एक व्यक्ति के घायल होने की जानकारी मिली है जिसे लोगों ने अस्पताल भेज दिया था पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि हादसे के वक्त एंबुलेंस में कोई मरीज था या नहीं प्रेग्नेंट महिला को सीहोर अस्पताल छोड़कर आ रहा था बताया गया है कि 108 वाहन रेहटी का था, जो एक प्रेग्नेंट महिला को सीहोर अस्पताल छोड़कर आ रहा था घटना के समय वाहन में केवल चालक ही था चालक को इछावर से भोपाल हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

ग्रामीणों की सड़क के लिए मकान न तोड़ने की मांग

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। मुहारीखुर्द और कुर्सीखापा के ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की समस्या को लेकर तहसील कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा उन्होंने बनी हुई सड़क और लगभग 25 मकानों को न तोड़ने की मांग रखी। ग्रामीणों ने ज्ञापन में उल्लेख किया कि मुहारीखुर्द एवं कुर्सीखापा में पहले सड़क नहीं थी जिसके बाद पक्की सड़क बनाने के लिए आवेदन दिया गया था। PWD की सरकारी योजना के तहत 12 फुट चौड़ी सीमेंट की सड़क बनाई गई है जिसके दोनों ओर 4-4 फुट की साइडें भी छोड़ी गई हैं यह कार्य पूर्ण हो चुका ग्रामीणों का कहना है कि वे इस सड़क निर्माण से संतुष्ट हैं और अब किसी तरह की तोड़फोड़ नहीं चाहते हालांकि PWD विभाग और इंजीनियर सड़क को और चौड़ा करने के उद्देश्य से इसे दोबारा तोड़ना चाहते हैं वे दोनों ओर बने मकानों को भी अतिक्रमण मानकर तोड़ने की तैयारी में हैं ग्रामीणों ने बताया कि ये मकान अपनी सीमा में ही बने हैं यदि इन्हें तोड़ा जाता है तो इनमें से 20-25 मकान प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने हैं जिनके लिए ग्राम पंचायत से एनओसी भी प्राप्त है उनका तर्क है कि यदि सड़क चौड़ी करनी थी तो यह निर्णय निर्माण के समय ही लागू किया जाना चाहिए था अब अच्छी खासी राशि खर्च करके बनी नई सड़क को दोबारा तोड़ना उचित नहीं है। ग्रामीणों ने निवेदन किया है कि उक्त सड़क को जैसा बनाया गया है वैसा ही रहने दिया जाए उन्होंने चेतावनी दी कि आगामी बारिश के मौसम में बनी-बनाई पक्की सड़क को तोड़ने या अतिरिक्त चौड़ा करने से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान होगा और आवागमन में भी दोबारा परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

भव्य क्रिकेट समर कैंप 14 मई से बच्चों को मिलेगा नि:शुल्क प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले की उभरती खेल प्रतिभाओं को नई दिशा देने और युवा खिलाड़ियों को पेशेवर मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कार्यालय कलेक्टर (खेल एवं युवा कल्याण), जिला एमसीबी द्वारा 14 मई से 3 जून 2026 तक स्थानीय स्वामी आत्मानंद स्कूल ग्राउंड में भव्य क्रिकेट समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है यह शिविर बालक और बालिकाओं दोनों के लिए पूरी तरह नि:शुल्क रखा गया है ताकि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की प्रतिभाएं समान रूप से इसका लाभ उठा सकें। बनें चैंपियन थीम पर आधारित इस समर कैंप में बच्चों को क्रिकेट की बुनियादी तकनीकों से लेकर उन्नत कौशल तक प्रशिक्षित किया जाएगा अनुभवी और प्रशिक्षित कोचों की देखरेख में प्रतिभागियों को बल्लेबाजी, गेंदबाजी, फील्डिंग, फिटनेस, रणनीति और मैच प्रबंधन की बारीकियां सिखाई जाएंगी प्रशिक्षण के दौरान खिलाड़ियों में अनुशासन टीम भावना नेतृत्व क्षमता और खेल भावना को विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा इसके साथ ही, नियमित फिटनेस सत्र, स्किल डेवलपमेंट मॉड्यूल और मैच प्रैक्टिस भी आयोजित की जाएगी जिससे प्रतिभागियों को वास्तविक प्रतिस्पर्धी माहौल का अनुभव हो सके कैंप 10 से 18 वर्ष तक के बच्चों के लिए खुला है प्रवेश पूरी तरह नि:शुल्क है लेकिन पंजीयन अनिवार्य है। प्रशासन ने जिले के अधिक से अधिक युवाओं, अभिभावकों और खेल प्रेमियों से अपील की है कि वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं और क्षेत्र की छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को उचित मार्गदर्शन प्रदान करें।

22 साल की मां 3 माह की बच्ची का अपहरण 10 साथियों के साथ आया लिव-इन पार्टनर, कार में डालकर ले गया

मुंह पर कपड़ा बांधकर घर में मां को घसीट कर ले गए

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक युवती और उसकी तीन माह की बच्ची के अपहरण का मामला सामने आया है युवती के लिव-इन पार्टनर ने अपने 8 से 10 साथियों के साथ मिलकर इस पूरी वारदात को अंजाम दिया है आरोपी हथियार लेकर घर में घुसे और परिजनों से मारपीट कर मां-बेटी को जबरन कार में डालकर ले गए पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित अन्य के खिलाफ अपहरण और एससी-एसटी एक्ट का केस दर्ज कर लिया है शिवपुरी पब्लिक स्कूल के पास रहने वाली नीलम गुहारिया ने पुलिस को बताया कि उनकी 22 वर्षीय बेटी महक तीन साल से

करैरा निवासी पुष्पेंद्र चौहान के साथ इंदौर में लिव-इन रिलेशनशिप में थी दोनों की तीन माह की एक बच्ची आरोही भी है पुष्पेंद्र उसे परेशान करता था इसलिए महक कुछ समय से बच्ची के साथ आकर माता-पिता के साथ रह रही थी। नीलम के मुताबिक 8 मई की रात करीब 8:35 बजे पुष्पेंद्र अपने साथियों के साथ हथियार हॉकी और डंडे लेकर उनके घर में घुस आया आरोपियों ने परिवार के सदस्यों के साथ गाली-गलौज और जातिसूचक अभद्रता करते हुए जमकर मारपीट की इस दौरान आरोपियों ने घर में मौजूद बच्ची को भी धक्का दिया जिससे नीलम और उनके पति घायल हो गए। मारपीट के बाद आरोपी महक और उसकी बच्ची को जबरन सफेद वैगन आर कार में ले गए उन्होंने परिजनों को पीछा करने पर जान से मारने की धमकी भी दी यह पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई है कोतवाली पुलिस ने पुष्पेंद्र और उसके साथियों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं और एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है वहीं महक का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह कह रही है कि उसने ही अपने पति को फोन कर उसे व बच्ची को ले जाने के लिए कहा था वह अपनी मर्जी से आई है इधर पुलिस का कहना है कि महिला और उसकी बच्ची का सुराग लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

एसपी यांगचेन डोलकर भुटिया ने किया औचक निरीक्षण

पदभार ग्रहण के बाद चार थानों की व्यवस्थाएं परखीं

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी की नई पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भुटिया ने पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद जिला मुख्यालय के चार प्रमुख थानों का औचक निरीक्षण किया। इनमें कोतवाली देहात फिजिकल और महिला थाना शामिल हैं निरीक्षण के दौरान एसपी भुटिया ने थानों में चल रही कार्यवाहियों की जानकारी उन्होंने परिसर हवालात रिकॉर्ड रूम और आर्म्स रूम का बारीकी से जायजा लिया और अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस उन्होंने थानों पर पहुंचे आवेदकों से सीधे संवाद किया उनकी समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों पर तत्काल उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए पुलिस अधीक्षक ने कानून व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाया उन्होंने क्षेत्र के अपराधियों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। एसपी ने यह भी कहा कि आमजन की शिकायतों का त्वरित निराकरण और पुलिस व्यवस्था में पारदर्शिता उनकी प्राथमिकता रहेगी।

2433 क्विंटल कचरे वाला गेहूं रिजेक्ट: जांच के घेरे में खरीदी केंद्र, केंद्रों पर भी लंबी कतारें और अव्यवस्थाएं मिलीं

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। स्व सहायता महिला समूह द्वारा संचालित खरीदी केंद्र पर कचरे और अमानक गेहूं की खरीदी का मामला पकड़ में आया है। जिला उपार्जन समिति की जांच में 4867 बोरियों में भरा करीब 2433 क्विंटल गेहूं रिजेक्ट कर दिया गइसके बाद केंद्र पर अब तक खरीदे गए 15372 क्विंटल गेहूं की गुणवत्ता भी सवालों के घेरे में आ गई है। जानकारी के अनुसार एचएसबी वेयरहाउस चांदला में गेहूं खरीदी की जिम्मेदारी राधा स्व सहायता महिला समूह को दी गई थी आरोप है कि केंद्र प्रभारी और कर्मचारियों ने अमानक एवं कचरे वाला गेहूं खरीद लिया इतना ही नहीं उसे बोरियों में पैक कर स्टैकिंग भी करवा दी गई ताकि जल्द भुगतान कराया जा सके। जिला आपूर्ति अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर नीता कोरी डीएम नॉन सुरेश सनखेरे, वेयरहाउस कॉर्पोरेशन डीएम वासुदेव डवडे और गुणवत्ता सुपरवाइजर ने वेयरहाउस का निरीक्षण किया जांच में 4867 बोरियों का पूरा स्टैक रिजेक्ट कर दिया गया अधिकारियों ने केंद्र प्रभारी को निर्देश दिए हैं कि रिजेक्ट गेहूं को साफ कर दोबारा व्यवस्थित रखा जाए। जांच के बाद खरीदी प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे हैं। खास बात यह है कि इस केंद्र पर अब तक 15372 क्विंटल गेहूं खरीदा जा चुका है और रिजेक्शन की मात्रा शून्य बताई गई थी जबकि अन्य केंद्रों से एफसीआई गोदामों में भेजे गए गेहूं में रिजेक्शन की मात्रा अधिक रही है ऐसे में बड़ी मात्रा में अमानक गेहूं मिलने के बाद केंद्र प्रभारी, नॉन सर्वेयर, वेयरहाउस कॉर्पोरेशन और वेयरहाउस प्रतिनिधियों की मिलीभगत की आशंका जताई जा रही है।

किसानों के भुगतान में होगी देरी: गेहूं रिजेक्ट होने के बाद किसानों के भुगतान पर भी असर पड़ेगा। नियमानुसार तुलाई, परिवहन और वेयरहाउस में स्टैकिंग के बाद किसानों को भुगतान किया जाता है पूरी प्रक्रिया में करीब आठ दिन का समय लगता है। निरीक्षण के दौरान केंद्र पर किसान विजय यादव के गेहूं का ढेर भी मिला जिसे अमानक पाए जाने पर साफ कराने के निर्देश दिए गए जिला आपूर्ति अधिकारी और टीम ने चांदला के अलावा ब्यावरा स्थित एचएल अग्रवाल वेयरहाउस, नवज्योति वेयरहाउस और गोविंद वेयरहाउस केंद्रों का भी निरीक्षण किया।

इटारसी में गेहूं खरीदी में 4 दिन बाद नंबर, 40 डिग्री तापमान में भी डटे किसान, छांव की कोई व्यवस्था नहीं

मीडिया ऑडीटर,इटारसी (निप्र)। इटारसी के सरकारी खरीदी केंद्रों पर गेहूं बेचने आए किसान पिछले चार-पांच दिनों से भारी मुसीबत झेल रहे हैं। प्रशासन भले ही सुचारू खरीदी के दावे कर रहा हो, लेकिन हकीकत यह है कि किसान 40 डिग्री की झुलसा देने वाली गर्मी में खुले आसमान के नीचे अपनी बारी का इंतजार करने को मजबूर हैं। केंद्रों पर न तो पीने के पानी का इंतजाम है और न ही धूप से बचने के लिए छांव की कोई व्यवस्था। इटारसी के ज्योति वेयरहाउस में घाटली समिति गेहूं खरीद रही है। यहां पंजाराकला से आए किसान सुशील चौरे अपना करीब 200 क्विंटल गेहूं लेकर पहुंचे हैं, लेकिन चार दिन बाद भी उनकी फसल की तुलाई नहीं हो सकी है।

किसानों का कहना है कि खरीदी की रफ्तार इतनी धीमी है कि वेयरहाउस के बाहर ट्रॉलियों की लंबी-लंबी लाइनें लग गई हैं।

रैसलपुर खरीदी समिति में भी कमियां: इसी तरह की अव्यवस्था रैसलपुर खरीदी समिति में हैं। यहां आए किसान दिनेश चौरे ने कहा कि वे चार दिनों से लाइन में खड़े हैं, लेकिन उनकी ट्रॉली अभी तक वेयरहाउस के अंदर भी नहीं पहुंच पाई है। दिन भर की तेज धूप और लू के बीच किसानों का बुरा हाल है।

प्रशासन के दावों की खुली पोल: परेशान किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि खरीदी की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए ताकि उन्हें इस तपन से राहत मिल सके। किसानों का कहना है कि एक तरफ सरकार समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदने की बात कर रही है, वहीं दूसरी तरफ खरीदी केंद्रों की बदइंतजामी उनकी कमर तोड़ रही है। किसानों ने केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं तुरंत मुहैया कराने की भी मांग उठाई है।

जिम्मेदार क्या बोले

एसडीएम निलेश कुमार शर्मा ने बताया कि तीन दिन पहले मैंने विभिन्न सरकारी गेहूं खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया था। इस दौरान जमानी की एवरेस्ट और शिवकृपा वेयरहाउस सहित सनखेड़ा के परम वेयरहाउस में अव्यवस्थाएं मिलने पर संचालकों और शाखा प्रबंधकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। किसानों को दिक्कतें आ रहीं हैं तो समिति के संचालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हालांकि कुछ खरीदी केंद्र पर मजदूरों कमी जरूर है।

भारतीय किसान संघ ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

इटारसी में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी में आ रही अव्यवस्थाओं को लेकर भारतीय किसान संघ तहसील इटारसी ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर खरीदी केंद्रों की समस्याओं का जल्द समाधान करने की मांग की। किसान संघ ने चेतावनी दी है कि यदि तीन दिन के भीतर व्यवस्थाएं नहीं सुधरीं तो जिला मुख्यालय पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

रतलाम में मिला 9 लाख का डोडाचूरा, गुजरात पासिंग कार में बोरे में छिपा कर रखा; मैगजीन और जिंदा राउंड भी जब्त

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। रतलाम जिले में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी को रोक लगाने की कार्रवाई लगातार की जा रही है। ताल थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते गुजरात पासिंग कार से बड़ी मात्रा में डोडा चूरा, अफीम पकड़ी है। कार से अवैध मैगजीन एवं दो जिंदा राउंड भी बरामद किए गए। आलोट एसडीओपी पल्लवी गौर ने बताया मुखबिर से सूचना मिली कि ताल क्षेत्र स्थित मकनपुरा में अवैध मादक पदार्थ का भंडारण किया है। तत्काल कार्रवाई करते हुए ताल थाना पुलिस टीम ने दबिश दी। मौके पर आरोपी आमिन खा पिता रुस्तम खा निवासी मकनपुरा के मकान के सामने ओटले पर रखे 8 कट्टों तथा एक सिल्वर रंग की इंडिगो कार क्रमांक GJ05 BV 0258 में रखे 4 कट्टों की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कुल 12 प्लास्टिक बोरों में भरा हुआ अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा बरामद किया। जिसका कुल वजन 208.830 किलोग्राम पाया गया। इसके अतिरिक्त एक प्लास्टिक की केन में रखा 3.480 किलोग्राम अवैध अफीम भी जप्त की गई। मौके से एक अवैध लोहे की पिस्टल मय मैगजीन एवं दो जिंदा राउंड भी बरामद किए गए।

आरोपी मौके से भाग गए: पुलिस कार्रवाई के दौरान रात्रि एवं अंधेरे का फायदा उठाकर आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस द्वारा तत्काल क्षेत्र की घेराबंदी कर आरोपियों की तलाश प्रारंभ की। लेकिन नहीं मिला। थाना प्रभारी ताल निरीक्षक स्वराज डाबी ने बताया संभावित स्थानों पर आरोपी की तलाश की जा रही है। फरार आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट एवं आर्म्स एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई है।

यह आरोपी फरार: आमिन खा पिता रुस्तम खा निवासी मकनपुरा ताल छोटू उर्फ बुक्कु खा पिता रुस्तम खा निवासी मकनपुरा ताल इब्राहिम पिता गफूर खा निवासी खेडा, थाना बरखेड़ाकलां

यह सामग्री की जब्त: 12 प्लास्टिक बोरों में भरा 208.830 किलोग्राम डोडाचूरा किमती लगभग 4 लाख 17 हजार। प्लास्टिक केन में भरी 3.480 किलोग्राम अवैध अफीम किमती लगभग 5 लाख 22 हजार। एक अवैध पिस्टल मय दो जिंदा राउंड किमती लगभग 30 हजार। सिल्वर रंग की इंडिगो कार क्रमांक GJ05BV0258 किमती लगभग 4 लाख।

खंडवा में खाई में गिरी तूफान गाड़ी, 7 घायल, ड्राइवर को झपकी आने से हादसा

गूगल मैप देखकर शिवा बाबा के दर्शन के लिए निकले थे

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा के छैगांवमाखन थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के श्रद्धालुओं से भरे एक तूफान वाहन के खाई में गिरने से बड़ा हादसा हो गया। हादसे में 7 लोग घायल हो गए, जिनमें 3 से 4 श्रद्धालुओं की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया हैं। जानकारी के अनुसार, आलीराजपुर जिले के बेटमा क्षेत्र स्थित ग्राम कोल्याबेड़ा के करीब 15 श्रद्धालु शिवा बाबा के दर्शन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान सिरसौद और बंजारी गांव के बीच तड़के करीब 4 बजे वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में जा गिरा।

घायल राकेश बघेल ने बताया कि वाहन चालक रास्ता खोजने के लिए गूगल मैप का सहारा ले रहा था। देर रात यात्रा के दौरान चालक को अचानक झपकी आ गई, जिससे वाहन सीधे खाई में उतर गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घायलों को वाहन से बाहर निकाला गया।

इधर, सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल लेकर आई। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डॉक्टरों की टीम घायलों के इलाज में जुटी हुई है। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

ये श्रद्धालु गंभीर घायल: हादसे में रमेश बघेल, महेंद्र बघेल, सुनिल बघेल और रिवान बघेल गंभीर रूप से घायल हुए हैं। अन्य घायलों का भी अस्पताल में इलाज जारी है। प्राथमिक जांच में हादसे की वजह चालक को आई झपकी मानी जा रही है। पुलिस वाहन की स्थिति, चालक की लापरवाही और दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण, वीएचएसएनडी सत्र एवं उप स्वास्थ्य केंद्रों की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रामहित कुमार कुमार तथा जिला टीकाकरण अधिकारी द्वारा जिले में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं एवं टीकाकरण गतिविधियों का निरीक्षण आज किया गया है। निरीक्षण के दौरान ग्यारसपुर ब्लॉक के सब हेल्थ सेंटर अटारीखेजड़ा अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्र अटारीखेजड़ा में आयोजित वीएचएसएनडी (Village Health Sanitation and Nutrition Day) सत्र का अवलोकन किया गया। अधिकारियों द्वारा सत्र में प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, टीकाकरण व्यवस्था, गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को दी जा रही सुविधाओं तथा पोषण संबंधी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही संबंधित स्वास्थ्य अमले को निर्धारित मानकों के अनुसार गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए गए। इसके पश्चात विदिशा ब्लॉक के सब हेल्थ सेंटर कुवाखेड़ी का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध व्यवस्थाओं, दवाओं की उपलब्धता, साफ-सफाई, रिकॉर्ड संधारण एवं स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने उपस्थित स्वास्थ्य कर्मचारियों को नियमित रूप से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने एवं आमजन तक बेहतर चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से निरंतर निरीक्षण एवं मॉनिटरिंग की कार्रवाई की जा रही है।

खरगोन में 42 डिग्री तापमान, हीट स्ट्रोक क्लीनिक शुरू होगी, स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी की, दो दिन में होंगे चालू

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन में तेज गर्मी और उमस से लोग परेशान हैं। यहां का तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। स्थिति को देखते हुए, कलेक्टर भव्या मित्तल ने हीट स्ट्रोक क्लीनिक शुरू करने के निर्देश दिए हैं और स्वास्थ्य विभाग ने एक एडवाइजरी जारी की है। कलेक्टर मित्तल ने जिला और सिविल अस्पतालों के साथ-साथ अन्य सरकारी परिसरों में पर्याप्त कूलर की व्यवस्था करने को कहा है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि जिला अस्पताल में हीट वेव क्लीनिक शुरू किए जाएं, जो एक-दो दिन में चालू हो जाएंगे।

शुक्रवार को पारा 42 डिग्री पहुंचा: स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी एडवाइजरी में लोगों से दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच धूप में बाहर न निकलने का आग्रह किया गया है। डॉ. मयंक पाटीदार ने गर्मी के मद्देनजर पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह दी है। इस सप्ताह की शुरुआत में सोमवार को तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। हालांकि, मौसम में बदलाव के बाद गुरुवार को यह गिरकर 40.8 डिग्री सेल्सियस हो गया था। लेकिन, शुक्रवार को तेज गर्मी के साथ पारा फिर से बढ़कर 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया।

बीना में महिला ने खाया जहरीला पदार्थ, बेहोश अस्पताल में भर्ती, गंभीर हालत पर सागर रेफर

मीडिया ऑडीटर, बीना (निप्र)। बीना के खिमलासा थाना क्षेत्र के मोहासा गांव में पारिवारिक विवाद के बाद एक महिला ने गुरुवार रात जहरीला पदार्थ खा लिया। गंभीर हालत में उसे सागर रेफर किया गया है। मोहासा निवासी सुखवती (45) पति हनुमंत सिंह राय ने जहरीले पदार्थ का सेवन किया। तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने तत्काल डॉयल 112 को सूचना दी।

सूचना मिलते ही डॉयल 112 में तैनात आरक्षक सचिन यादव और पायलट अमित विश्वकर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने महिला को सिविल अस्पताल बीना में भर्ती कराया। महिला बेहोशी की हालत में अस्पताल लाई गई थी और बोलने की स्थिति में नहीं थी। प्राथमिक इलाज के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिला अस्पताल सागर रेफर कर दिया गया।

बताया जा रहा है कि महिला ने यह कदम पारिवारिक विवाद के कारण उठाया है। घटना के संबंध में परिजन भी बोलने से बचते नजर आए। खिमलासा थाना प्रभारी राधेश्याम पटेल ने बताया कि डॉयल 112 की मदद से एक महिला को बेहोशी की हालत में सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने पुष्टि की कि महिला को सागर रेफर किया गया है।

थाना प्रभारी ने आगे बताया कि मेमो मिलने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। महिला के बयानों के आधार पर ही कुछ कहा जा सकता है।

बुरहानपुर जिला अस्पताल में देर रात तक चला सफाई अभियान

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिला अस्पताल में व्यवस्थाओं में सुधार के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार रात अस्पताल परिसर में देर रात तक सफाई अभियान चला। इस दौरान मुख्य पानी की टंकी की सफाई की गई और मच्छरों से बचाव के लिए फॉगिंग भी की गई।

यह अभियान कलेक्टर हर्ष सिंह के पिछले दिनों जिला अस्पताल के दौरे के बाद तेज हुआ है। कलेक्टर ने अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों और सुविधाओं की समीक्षा की थी और कमियों को दूर करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद से अस्पताल प्रबंधन इन कार्यों में सक्रिय रूप से जुट गया है। अस्पताल के प्रबंधक धीरज चौहान ने बताया कि गुरुवार रात जिला चिकित्सालय में

सफाई अभियान के तहत मुख्य पानी की टंकी की सफाई की गई। साथ ही, परिसर के अंदर और बाहर मच्छरों से बचाव के लिए फॉगिंग भी की गई। यह कार्य देर रात तक जारी रहा। प्रबंधन के पास फॉगिंग मशीन होने के बावजूद इसका उपयोग कम होता था। हाल के दिनों में मरीजों को मच्छरों से काफी परेशानी हो रही थी, जिसके बाद प्रबंधन ने रात में फॉगिंग कराने का निर्णय लिया। सिविल सर्जन डॉ. दर्पण टोके ने जानकारी दी कि जिला अस्पताल में मरीजों को किसी भी तरह की परेशानी न हो।

ई-प्रवेश पोर्टल पर पंजीयन का आंकड़ा 60 हजार के पार, 15 मई तक होगा प्रथम चरण का पंजीयन, 20 मई को जारी होगी आवंटन सूची

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। प्रदेश में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक एवं स्नातकोत्तर की प्रवेश प्रक्रिया क्रमशः एक और 2 मई को शुरू हो चुकी है। उच्च शिक्षा विभाग के ई-प्रवेश पोर्टल के माध्यम से शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिये पंजीयन कराने के लिए दिनांक 7 मई 2026 तक विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर एवं एनसीटीई पाठ्यक्रमों में कुल 60 हजार 768 पंजीयन हो गए हैं। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार स्नातक पाठ्यक्रमों में 39 हजार 579, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 8,364 तथा एनसीटीई पाठ्यक्रमों में 12 हजार 825 पंजीयन हुए हैं। इसी प्रकार कुल 36,189 विद्यार्थियों द्वारा चॉइस फिलिंग तथा 23,964 आवेदनों का सत्यापन पूर्ण किया जा चुका है। उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे प्रथम चरण के पंजीयन की अंतिम तिथि 15 मई 2026 से पूर्व अपना पंजीयन, दस्तावेज सत्यापन एवं चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया पूर्ण कर लें। प्रथम चरण की आवंटन सूची 20 मई 2026 को ई-प्रवेश पोर्टल पर जारी की जाएगी।

विद्यार्थियों को मिला करियर निर्माण का मार्गदर्शन

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में जिले के विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण एवं करियर मार्गदर्शन हेतु निरंतर ऑनलाइन करियर काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इन सत्रों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के विद्यार्थियों को करियर संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी एवं प्रेरणादायी मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। जिला शिक्षा अधिकारी श्री एसपी जाटव ने बताया है कि आज आयोजित ऑनलाइन करियर काउंसलिंग सत्र में संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) के माध्यम से चयनित होकर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सी.आर.पी.एफ.) में असिस्टेंट कमांडेंट पद पर पदस्थ शांतनु भारद्वाज ने विद्यार्थियों को संबोधित किया है। उन्होंने रक्षा सेवाओं में करियर की संभावनाओं, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, चयन प्रक्रिया, अध्ययन रणनीति, समय प्रबंधन एवं अनुशासित तैयारी के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। श्री भारद्वाज ने अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों जव स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत एवं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए नियमित अध्ययन, सकारात्मक सोच और दृढ़ संकल्प अत्यंत आवश्यक हैं। काउंसलिंग सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने रक्षा सेवाओं एवं प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे, जिनका श्री भारद्वाज द्वारा सरल एवं विस्तारपूर्वक समाधान किया गया। विद्यार्थियों ने सत्र को अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायी बताया। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में इस प्रकार के करियर काउंसलिंग एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। इन सत्रों से विद्यार्थियों को अनुभवी अधिकारियों के अनुभवों से सीखने, विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों की जानकारी प्राप्त करने तथा अपने लक्ष्य के प्रति प्रेरित होकर बेहतर तैयारी करने का अवसर मिल रहा है।

पत्नी की मौत के 16 महीने बाद पति बरी, कोर्ट बोली- दहेज प्रताड़ना के आरोप साबित करने लायक नहीं मिले साक्ष्य

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के हरपालपुर के चर्चित दहेज मौत मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए आरोपी पति को दोषमुक्त कर दिया। पत्नी की मौत के करीब एक साल चार महीने बाद आए फैसले में कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपी पर लगाए गए आरोपों को संदेह से परे साबित नहीं कर सका।

मामला हरपालपुर थाना क्षेत्र का है। 7 दिसंबर 2024 को जयदेवी अनुरागी पत्नी सोनू अनुरागी ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था। हालत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पताल छतरपुर में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। घटना के बाद मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और

आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप लगाए थे।

पति पर दर्ज हुआ था मामला: शिकायत के आधार पर हरपालपुर थाना पुलिस ने पति सोनू अनुरागी के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और आत्महत्या के लिए उकसाने समेत विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया था। पुलिस जांच पूरी होने के बाद अपराध क्रमांक 0235/2024 के तहत मामला न्यायालय में पेश किया गया।

सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 13 गवाह पेश कर आरोपी पर गंभीर आरोप लगाए। वहीं बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि आरोपी को झूठा फंसाया गया है और प्रस्तुत साक्ष्य आरोप सिद्ध करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं।

कोर्ट बोली- ठोस साक्ष्य नहीं मिले: मामले की सुनवाई प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश उपेंद्र देशवाल की अदालत में हुई। अदालत ने गवाहों के बयान और प्रस्तुत साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद पाया कि आरोपी के खिलाफ आरोप ठोस रूप से सिद्ध नहीं हो सके।

इसके बाद अदालत ने आरोपी सोनू अनुरागी को दोषमुक्त कर दिया। आरोपी पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शेर सिंह तोमर ने पैरवी की। फैसले के बाद न्यायालय परिसर में दिनभर मामले को लेकर चर्चाएं होती रहीं।

जल संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी

मीडिया ऑडीटर ,सीहोर (निप्र)। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, जिला सीहोर द्वारा 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत विकासखंड बुधनी की ग्राम पंचायत होलीपुरा में जल संरक्षण एवं संवर्धन विषयक जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य ग्रामीण कृषकों एवं आमजन को जल संरक्षण के महत्व, वर्षा जल संचयन तथा सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम ग्राम पंचायत होलीपुरा के सरपंच श्री कमल सिंह ओझा की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सरपंच श्री ओझा ने जल को जीवन का आधार बताते हुए कहा कि वर्तमान समय में जल संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने ग्रामवासियों से जल स्रोतों के संरक्षण, तालाबों एवं कुओं के पुनर्जीवन तथा जल के समुचित उपयोग के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। कार्यशाला में ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारियों द्वारा कृषकों को जल संरक्षण के व्यावहारिक उपायों, फसल जल प्रबंधन तथा उद्यानिकी फसलों में जल उपयोग दक्षता के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

रोहित शर्मा के साथ सेल्फी लेने आई महिला फैन का फोन स्विच ऑफ हो गया, फिर क्या हुआ ?

नई दिल्ली ,एजेंसी । भारतीय किकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा मौजूदा समय के सर्वाधिक लोकप्रिय किकेटर हैं। रोहित जहां भी जाते हैं, उनके साथ सेल्फी लेने वाले फैंस की भीड़ लग जाती है। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच अगला मैच रायपुर में रविवार को होने वाला है। दोनों टीमें इस मैच के लिए रायपुर में पहुंच गई हैं। मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के लिए यहां भी फैंस के बीच केज दिखा। मुंबई इंडियंस ने शनिवार को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट से एक 42-सेकंड का वीडियो शेयर किया है। इसमें रोहित शर्मा को सामने पाकर एक महिला फैन की खुशी देखते बनती है। वीडियो में रोहित टीम बस में जा रहे होते हैं। इतने में एक महिला उनका नाम लेते हुए सेल्फी के लिए उनके पास दौड़ी हुई आती है। महिला फैन रोहित को देख इतनी खुश है कि उन्हें गले लगाने को दौड़ती है। रोहित फैंस से हाथ मिलाते हैं। महिला फैन रोहित के लिए आप बेस्ट हो कहते हुए अपना फोन निकालती है और सेल्फी लेने की कोशिश करती है। फोन में किसी खराबी के कारण वह सेल्फी नहीं ले पाती और फिर कहती है कि मेरा फोन ऑफ हो गया। इतने में रोहित एक बच्चे के साथ तस्वीर खिंचवाते हैं और अपनी बस की तरफ बढ़ जाते हैं।

फैन दूसरा फोन मंगवाती है और रोहित के पीछे ये कहते हुए दौड़ती है कि रुक जाइए मेरा फोन बंद हो गया था।

रोहित कहते हैं तो अभी क्या करूं मैं? आप जल्दी कर लो मैडम। महिला देरी के लिए रोहित से क्षमा मांगते हुए उनके साथ सेल्फी लेती है। सेल्फी लेने के बाद महिला काफी खुश नजर आती है, जबकि रोहित बस में चले जाते हैं।

इंजरी की वजह से कई मैचों से बाहर रहे रोहित ने मुंबई के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ हुए पिछले मैच में वापसी की थी और 44 गेंदों पर 84 रन की पारी खेली। रविवार को आरसीबी के खिलाफ होने वाले मैच में भी रोहित के फैंस उनसे ऐसी ही विस्फोटक पारी की उम्मीद कर रहे हैं।

नाडा ने यशस्वी जायसवाल और शेफाली वर्मा को नोटिस जारी किया: रिपोर्ट

नई दिल्ली ,एजेंसी । नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने कथित तौर पर भारतीय किकेट टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और भारतीय महिला किकेट टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को एंटी-डोपिंग नियमों के तहत जगह न बताने पर नोटिस जारी किया है। दोनों खिलाड़ी अभी नाडा के रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल (आरटीपी) का हिस्सा हैं और उनकी नियमित टेस्टिंग (जांच) होती है। उन्हें अपनी जगह की जानकारी देनी होगी ताकि बिना किसी पूर्व सूचना के टेस्टिंग के लिए उनका पता लगाया जा सके। नाडा के रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल में शामिल एथलीटों को हर तिमाही में अपनी जगह की जानकारी देनी होती है, जिसमें घर का पता, ईमेल एड्रेस और फोन नंबर, रात में रुकने का पता, टूर्नामेंट का शेड्यूल और जगहें, टूर्नामेंट कब और कहां हो रहा है, और हर दिन के लिए 60 मिनट का टाइम स्लॉट जब वे टेस्टिंग के लिए उपलब्ध होंगे। किसी टेस्ट के छूटने के जिम्मेदार एथलीट होते हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक डोप कंट्रोल अधिकारी (डीसीओ) पिछले साल 17 दिसंबर को यशस्वी जायसवाल और 7 नवंबर को शेफाली वर्मा का टेस्ट करने पहुंचे थे, लेकिन दोनों अपनी बताई गई जगहों पर नहीं मिले थे।

नाडा ने इस साल 18 और 20 फरवरी को दोनों किकेटरों से इसका जवाब मांगा था। दोनों ने कोई जवाब नहीं दिया था। इसलिए, नाडा ने आधिकारिक तौर पर खिलाड़ियों का पहला मिस्ड टेस्ट रिकॉर्ड किया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों किकेटरों को जवाब देने के लिए सात दिन का समय दिया गया है। दोनों खिलाड़ियों के मिस्ड टेस्ट की जानकारी भारतीय किकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और आईसीसी को भी दी गई है।

दोनों किकेटरों को बहुत सावधान रहना होगा, क्योंकि 12 महीने के समय में तीन मिस्ड टेस्ट नाडा एंटी-डोपिंग के आर्टिकल 2.4 के तहत एंटी-डोपिंग नियम का उल्लंघन माना जाएगा। इसकी सजा 4 तक हो सकती है।

वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप: वीर चोटरानी ने पहले मैच में अभय सिंह को हराया

गीजा ,एजेंसी । भारत के वीर चोटरानी ने यहां पाम हिल्स क्लब और पीजीसी गोल्फ सेंट्रल मॉल में वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप के पुरुषों के पहले राउंड में हमवतन अभय सिंह को पांच गेम तक चले मुकाबले में मात दी। चोटरानी ने सिंह को 14-12, 8-11, 5-11, 11-7, 11-2 से हराया। 45वीं रैंक वाले वीर चोटरानी की 22वीं रैंक के अभय सिंह के खिलाफ तीन मैचों में दूसरी जीत है। शुरुआती गेम में अभय सिंह को कड़े टाई-ब्रेक में हराने के बाद, वीर चोटरानी को अगले दो गेम में हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, चोटरानी ने अगले दो गेम जीतकर दूसरे राउंड में जगह बनाई। जीत के बाद चोटरानी ने कहा, वर्ल्ड चैंपियनशिप के पहले राउंड में अपने ही देश के खिलाड़ी के साथ खेलना जाहिर तौर पर मुश्किल है। हम नहीं चाहते कि हममें से कोई पहले राउंड में बाहर हो जाए, लेकिन यह प्लान ऐसे ही था, और मैं बहुत खुश हूं कि मैं इसमें सफल रहा। उन्होंने आगे कहा, पिछले कुछ सप्ताह में मैंने जो मेहनत की है, उसके लिए यह मेरे आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला है। ऐसा परिणाम मिलना सकारात्मक है। पिछली बार जब हम इंडिया में फाइनल में खेले थे, तो मैं अभय से हार गया था और मैं उस प्रदर्शन से बहुत निराश था। चोटरानी अब रविवार को दुनिया के नंबर 1 मिस्र के मुस्तफा असल के खिलाफ खेलेंगे।

64 खिलाड़ियों वाले फील्ड में रमित टंडन और वेलावन सेंथिलकुमार अपने कैंपेन की शुरुआत मिस्र के वर्ल्ड नंबर 21 करीम एल टॉर्की और फ्रांस के वर्ल्ड नंबर 5 विक्टर क्रूइन के खिलाफ पहले राउंड के मैचों से करेंगे।

छठा एमिली मेमोरियल बैडमिंटन टूर्नामेंट : मेजबान सेंट जेवियर्स स्कूल का डबल धमाका, दोनों श्रेणियों के खिताब जीते

चंडीगढ़, एजेंसी । सेक्टर 44-सी स्थित सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल के परिसर में आयोजित छठे एमिली मेमोरियल बैडमिंटन टूर्नामेंट में मेजबान स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनों श्रेणियों (लड़के और लड़कियां) में खिताबी जीत हासिल की। ट्राईसिटी (Tricit4) के प्रमुख स्कूलों के बीच आयोजित इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में खिलाड़ियों के बीच कड़ा और रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। लड़कियों का वर्ग (अंडर-14)- सेंट जेवियर्स एकतरफा मुकाबले में जीतालड़कियों की अंडर-14 श्रेणी के फाइनल मैच में मेजबान सेंट जेवियर्स स्कूल की टीम ने अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम को संभलने का कोई मौका नहीं दिया। फाइनल मुकाबला- सेंट जेवियर्स स्कूल ने अजीत करम सिंह इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल-41 (AKSIPS-41) को सीधे गेम में 21-15, 21-9 से करारी शिकस्त देकर ट्रॉफी अपने नाम की। तीसरा स्थान- इससे पहले खेले गए तीसरे स्थान के मुकाबले में चितकारा इंटरनेशनल स्कूल ने कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल को एकतरफा गेम में 21-8, 21-9 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

इटैलियन ओपन: दुनिया के 79वें नंबर खिलाड़ी डारियो प्रिजमिक से हारकर बाहर हुए नोवाक जोकोविच

रोम ,एजेंसी । छह बार के इटैलियन ओपन चैंपियन नोवाक जोकोविच दुनिया के 79वें नंबर के खिलाड़ी डारियो प्रिजमिक से तीन सेट हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। प्रिजमिक ने पहला सेट हारते हुए जोरदार वापसी की और दूसरा और तीसरा सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। प्रिजमिक ने जोकोविच को 2-6, 6-2, 6-4 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। यह पहली बार है जब जोकोविच इटैलियन कैपिटल में अपने शुरुआती मैच में हारे हैं। प्रिजमिक ने अब दो टॉप 10 जीत हासिल की हैं। उन्होंने पिछले महीने मैड्रिड में एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट के तीसरे राउंड में बेन शेल्टन को हराया था।

20 साल के प्रिजमिक का लक्ष्य पहली बार इस लेवल पर चौथे राउंड में पहुंचना है। उन्हें अगला मैच उगो हम्बर्ट से खेलना है।

जोकोविच ने पहला सेट सिर्फ 40 मिनट में जीता था। जोकोविच का लेवल दूसरे सेट में गिर गया। उनके शॉट्स की गहराई कम हो गई। उनकी सटीकता फीकी पड़ गई। चेहरे पर गुस्सा और साफ दिख रही निराशा के बीच, उन्होंने जल्द ही खुद को निडर प्रिजमिक के खिलाफ 4-0 से पीछे पाया।

युवा कोएशियाई खिलाड़ी ने लगातार दबाव बनाना जारी रखा, जिससे 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को और गलतियां करने पर मजबूर होना पड़ा और मैच को निर्णायक तीसरे सेट में ले गया।

जोकोविच शुरू में निर्णायक सेट में मुकाबला करते रहे-जब तक कि वह पहले असली खतरे पर लड़खड़ा नहीं गए, और पहले ही ब्रेक पॉइंट पर अपनी सर्विस गंवा दी। उस पॉइंट के बाद, जोकोविच एक भी ब्रेक का मौका नहीं बना पाए। उन्होंने बार-बार प्रिजमिक पर गलतियां करने का दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन कोएशियाई खिलाड़ी डटा रहा और अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की। इस साल की शुरुआत में, जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में चैंपियनशिप मैच में पहुंचने के लिए जैनिक सिनर को हराया था और उम्मीद करेंगे कि इस महीने के आखिर में रोलैंड गैरोस के लिए समय पर ठीक हो जाएंगे। जोकोविच को अपने रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम पुरस्कार की तलाश है।

फिन एलन: आईपीएल में शतक लगाने वाले केकेआर के चौथे और न्यूजीलैंड के दूसरे बल्लेबाज बने

नई दिल्ली ,एजेंसी । आईपीएल 2026 में शुकवार की शाम अरुण जेटली किकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच खेले गए मुकाबले की सारी लाइमलाइट फिन एलन लूट ले गए। केकेआर के इस सलामी बल्लेबाज ने विस्फोटक शतक लगाते हुए न सिर्फ अपनी टीम को जीत दिलायी, बल्कि आईपीएल इतिहास में कोलकाता की तरफ से शतक लगाने वाले सिर्फ चौथे बल्लेबाज बने। आईपीएल में कोलकाता के किसी बल्लेबाज का यह सबसे तेज शतक भी है। दिल्ली कैपिटल्स ने केकेआर को जीत के लिए महज 143 रन का लक्ष्य दिया था और इसी छोटे से लक्ष्य में एलन ने शतक लगा दिया। 19वें सीजन में केकेआर की तरफ से चौथे और सबसे तेज शतक लगाने वाले एलन ने तीन अंकों में पहुंचने के लिए महज 47 गेंद खेली। एलन 47 गेंदों पर 5 चौकों और 10 छक्कों की मदद से 100 रन पर नाबाद लौटे। आईपीएल में शतक लगाने वाले एलन न्यूजीलैंड के दूसरे बल्लेबाज हैं। पहले बल्लेबाज ब्रैंडन मैक्कुलम थे। मैक्कुलम के नाम आईपीएल में दो शतक हैं। एक शतक उन्होंने केकेआर की तरफ से खेलते हुए लगाया था। केकेआर की तरफ से आईपीएल में सबसे पहला शतक ब्रैंडन मैक्कुलम ने लगाया था। यह शतक आईपीएल के पहले सीजन (2008) के पहले मैच में आया था। मैक्कुलम ने आरसीबी के खिलाफ खेलते हुए 73 गेंदों पर नाबाद 158 रन बनाए थे। 2008 के बाद केकेआर के लिए आईपीएल में शतक 2023 में आया था। यह शतक वेंकटेश अय्यर की तरफ से आया था। अय्यर ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में 51 गेंदों पर 104 रन की पारी खेली थी। आईपीएल 2024 में सुनील नरेन ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ कोलकाता में 56 गेंदों पर 109 रन की पारी खेली थी। नरेन केकेआर के लिए आईपीएल में शतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने थे।

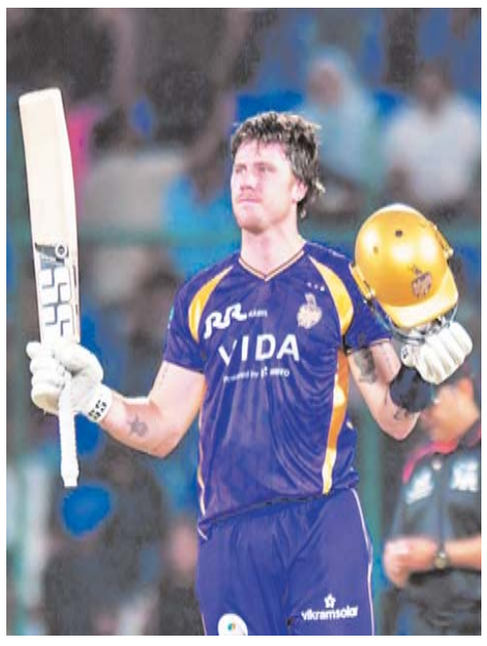

नेमार श्रेष्ठ खिलाड़ियों में एक, विश्व कप के लिए उनका समर्थन करूंगा: लियोनल मेसी

ब्यूनस आयर्स ,एजेंसी । दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी का मानना है कि ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार अभी भी इस खेल के श्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। मेसी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ब्राजील का यह फॉरवर्ड अगले महीने होने वाले फीफा विश्व कप में खेलेगा। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार मेसी ने लो डेल पोलो शो में कहा, हम चाहते हैं कि विश्व कप में सबसे अच्छे खिलाड़ी हों और नेमार, चाहे उनका फॉर्म कैसा भी हो, हमेशा उनमें से एक रहेंगे। उन्होंने कहा, ब्राजील और फुटबॉल के लिए उनके बहुत मायने हैं, इसलिए उन्हें विश्व कप में देखना बहुत अच्छा होगा। मुझे उम्मीद है कि वह वहां होंगे, लेकिन मैं किसी चीज को लेकर निष्पक्ष नहीं रह सकता, क्योंकि उन्हें हमेशा वहां रहना होता है।

मेसी ने माना कि उनकी दोस्ती की वजह से उनके लिए निष्पक्ष रहना मुश्किल हो गया।

उन्होंने कहा, मैं किसी चीज को लेकर निष्पक्ष नहीं रह सकता। नेमार एक दोस्त है। जाहिर है, मैं चाहूंगा कि वह विश्व कप में हो, उसके साथ अच्छी चीजें हों क्योंकि वह जैसा इंसान है, उसके लिए वह इसके लायक है। और मुझे उम्मीद है कि वह वहां हो सके।

मेसी ने आगे कहा, उसमें एक बहुत ही खास करिश्मा है। वह दिखावा नहीं करता। वह अपनी जिंदगी वैसे ही जीता है, जैसा वह महसूस करता है, बिना नतीजों की चिंता किए। वह खुश है, और वह बहुत नैचुरल है।

आठ बार के बैलन डीओर विनर ने कहा कि अर्जेंटीना के लिए 2022 वर्ल्ड कप टाइटल बचाना मुश्किल काम होगा। उन्होंने स्पेन, फ्रांस और ब्राजील को लीडिंग कंटेंडर बताया।

मेसी ने कहा, हम जानते हैं कि विश्व कप हमेशा एक मुश्किल मामला होता है क्योंकि इसमें शामिल टीमें मजबूत होती हैं। हमें उम्मीद रखनी होगी, जैसे हर अर्जेंटीनाई हमेशा करता है जब भी कोई आधिकारिक प्रतियोगिता होती है, चाहे वह कोपा अमेरिका हो या विश्व कप -- लेकिन हमें यह भी मानना होगा कि हमसे आगे दूसरी फेवरेट टीमें हैं जो बेहतर हैं।

नेमार और मेसी 2013 से 2017 तक बार्सिलोना में साथ खेले और 2021 से 2023 तक पेरिस सेंट-जर्मेन में साथ रहे।

बचपन के क्लब सैंटोस में लौटने के बाद से नेमार लगातार चोट की समस्या से परेशान रहे हैं। वह इस साल सिर्फ 12 मैच खेल पाए हैं। उन्होंने 2025 में 28 मैच खेले थे। ब्राजील के अब तक के सबसे ज्यादा गोल करने वाले नेमार अक्टूबर 2023 से अपने देश के लिए नहीं खेले हैं। वह उरुग्वे के खिलाफ वर्ल्ड कप क्वालीफायर के दौरान एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट में चोट लगने के बाद से टीम से बाहर हैं।

आईपीएल 2026: केकेआर से मिली हार के बाद निराश डीसी कप्तान अक्षर पटेल का ध्यान अब अगले सीजन पर

नई दिल्ली ,एजेंसी । आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का निराशाजनक प्रदर्शन जारी है। डीसी शुकवार को अपने घरेलू मैदान अरुण जेटली किकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ 8 विकेट से हार गई। सीजन के 11वें मैच में डीसी की यह सातवीं हार थी। इस हार के साथ टीम के लिए प्लेऑफ में खेलने की उम्मीद लगभग समाप्त हो चुकी है। कप्तान अक्षर पटेल तो अगले सीजन की बात भी करने लगे हैं। मैच के बाद अक्षर पटेल ने कहा, टीम उम्मीद के मुताबिक रन नहीं बना सकी और स्पिन गेंदबाजों ने कई गलतियां कीं। पिच जिस तरह से व्यवहार कर रही थी, उसे देखते हुए स्पिनरों को ज्यादा सटीक गेंदबाजी करनी चाहिए थी। हालांकि, मैच का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट टीम का दो-तीन ओवर के भीतर पांच विकेट गंवा देना रहा। वहीं से टीम का मोमेंटम पूरी तरह फिसल गया और विपक्षी टीम ने मुकाबले पर पकड़ बना ली। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी टीम के साथ ऐसा ही हुआ था। उस मैच में भी शुरुआत अच्छी रही थी, लेकिन लगातार विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई थी। उन्होंने कहा कि इस समस्या का हल तकनीकी से ज्यादा मानसिकता में बदलाव लाने से मिलेगा। जब वह और आशुतोष बल्लेबाजी कर रहे थे, तब दोनों यही सोच रहे थे कि अगर उन्होंने गलती की, तो नए बल्लेबाज के लिए हालात और मुश्किल हो जाएंगे। इसलिए जरूरी है कि विकेट गिरने के बाद बल्लेबाज थोड़ी देर कीज पर टिककर दबाव झेलें और साझेदारी बनाने की कोशिश करें। अक्षर ने कहा, आगे की तैयारियों से पहले टीम अपनी गलतियों का विश्लेषण करेगी। अभी सफर लंबा है और अगले सीजन की योजना भी बनानी होगी। टीम प्रबंधन बेंच पर बैठे खिलाड़ियों का भी आकलन करेगा और जरूरत पड़ने पर नए खिलाड़ियों को मौका देने तथा रणनीति में बदलाव पर विचार करेगा। डीसी की इस सीजन में अपने घरेलू मैदान पर यह पांचवीं हार थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए डीसी मात्र 142 रन बना सकी थी। फिन एलन के 47 गेंदों पर बनाए 100 रन की मदद से केकेआर ने 14.2 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 147 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीता।

व्यापारी बोले- गड्ढे हटाओ या हमें उनमें डाल दो सीवर गड्ढों पर नाराजगी, कहा- मरम्मत न होने पर करेंगे आंदोलन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में स्मार्ट सिटी और सीवर परियोजना के तहत खोदी गई सड़कों पर बने गड्ढों को लेकर व्यापारियों ने शनिवार को विरोध प्रदर्शन किया जय स्तम्भ चौक पर हुए इस प्रदर्शन में व्यापारियों ने नगर निगम प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की उन्होंने मांग की कि या तो शहर को गड्ढा मुक्त किया जाए या उन्हें इन्हीं गड्ढों में डाल दिया जाए व्यापारियों का कहना है कि शहर में पहले जलावर्धन योजना और फिर सीवर लाइन बिछाने के नाम पर जगह-जगह सड़कें खोदी गईं। काम पूरा होने के बाद सड़क मरम्मत केवल औपचारिकता बनकर रह गई। कई इलाकों में मिट्टी डालकर खानापूर्ति की गई जो हल्की बारिश में ही धंस जाती है जिससे सड़कें बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो गई हैं प्रदर्शन कर रहे व्यापारियों ने बताया कि इन गड्ढों के कारण रोजाना वाहन फंस रहे हैं और दुर्घटनाएं हो रही हैं। सबसे ज्यादा असर उन दुकानदारों पर पड़ा है जिनकी दुकानों के सामने सड़कें खोदी गई हैं ग्राहकों की आवाजाही कम होने से व्यापार चौपट होने की स्थिति में पहुंच गया है कई व्यापारियों के लिए दुकान का किराया बिजली बिल और कर्मचारियों का वेतन निकालना भी मुश्किल हो रहा है व्यापारियों ने आरोप लगाया कि स्मार्ट सिटी परियोजना के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन शहरवासियों को सुविधा के बजाय परेशानी मिली। उनका कहना है कि बरसात शुरू होते ही शहर की गलियां और सड़कें आवागमन के लिए खतरनाक हो जाती है जिससे लोगों को हर समय दुर्घटना का डर बना रहता है व्यापारी संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सड़क सुधार और गड्ढों की स्थायी मरम्मत नहीं कराई गई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से समयबद्ध कार्रवाई कर शहरवासियों को राहत देने की मांग की है व्यापारियों के समर्थन में विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा और समाजवादी पार्टी के नेता राजेश दुबे भी प्रदर्शन में शामिल रहे।

रामनगर में रेत माफियाओं का आतंक! जंगल छलनी, महुआ के पेड़ काटे गए, प्रशासन पर संरक्षण के आरोप

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। रामनगर क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन को लेकर एक बार फिर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है जनपद पंचायत वार्ड क्रमांक 15 के सदस्य राजेन्द्र सिंह (मुन्ना) ने रामनगर थाना प्रभारी को शिकायत पत्र सौंपकर क्षेत्र में खुलेआम चल रहे कथित रेत माफिया के खेल और वन संपदा की बर्बादी का गंभीर आरोप लगाया है शिकायत में संजय सिंह और अरुण सिंह उर्फ राजू सिंह के नाम सामने आने से मामला और गरमा गया है।शिकायत के अनुसार वन परिक्षेत्र सोनघड़ियाल अंतर्गत ग्राम कुबरी और सरिया के आसपास करीब 246 एकड़ वन भूमि में वर्षों से अवैध रेत उत्खनन किया जा रहा है। आरोप है कि रेत के इस काले कारोबार में ट्रैक्टर चालकों से प्रति ट्रॉली 800 रुपये तक वसूले जाते हैं और प्रतिदिन दर्जनों ट्रैक्टर व जेसीबी मशीनें जंगल का सीना चीरने में लगी रहती हैं।सबसे गंभीर आरोप यह है कि अवैध उत्खनन के दौरान बड़ी संख्या में महुआ के पेड़ों को काटकर बेच दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि जिन जंगलों को बचाने की जिम्मेदारी प्रशासन की थी, वहीं अब रेत माफियाओं के कब्जे में नजर आ रहे हैं शिकायत पत्र में कई सनसनीखेज घटनाओं का भी जिक्र किया गया है आरोप है कि अवैध उत्खनन से जुड़े मामलों में एक पटवारी की ट्रैक्टर से कुचलकर मौत हो चुकी है जबकि एक ड्राइवर की खदान धंसने से जान चली गई। इतना ही नहीं नायब तहसीलदार पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कथित कोशिश तक की बात सामने आई है इन घटनाओं ने पूरे क्षेत्र में भय और दहशत का माहौल बना दिडुया है जनपद सदस्य ने आरोप लगाया कि स्थानीय लोग विरोध करने से डरते हैं क्योंकि उन्हें धमकियां दी जाती हैं। उन्होंने प्रशासन पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पहले भी छापेमारी और नोटिस की कार्रवाई हुई, लेकिन कथित रेत माफियाओं पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इससे यह धारणा मजबूत हो रही है कि अवैध उत्खनन का नेटवर्क संरक्षण में फल-फूल रहा है।शिकायतकर्ता ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर वन विभाग अधिनियम सहित अन्य गंभीर धाराओं में कार्रवाई की मांग की है। साथ ही उन्होंने वीडियो दस्तावेज और मशीनों से जुड़े प्रमाण प्रशासन को उपलब्ध कराने की बात भी कही है अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर जंगलों को बर्बाद करने वाले और कानून को चुनौती देने वाले इन कथित रेत माफियाओं पर प्रशासन कब शिकंजा कसेगा या फिर नोटिस और जांच के नाम पर पूरा मामला एक बार फिर फाइलों में दबकर रह जाएगा।

रामनगर अस्पताल में चला विशेष स्वच्छता अभियान

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। कलेक्टर मैहर विदिशा मुखर्जी के निर्देशानुसार जिले में स्वच्छता को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को रामनगर नगर परिषद द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर में व्यापक साफ-सफाई अभियान संचालित किया गया। अस्पताल परिसर में वार्ड, परिसर शौचालय सहित सभी स्थानों की सघन सफाई कर व्यवस्था को बेहतर बनाया गया नगर परिषद की टीम ने पूरे परिसर को चकाचक कर स्वच्छता का संदेश दिया। इसी प्रकार अमरपाटन और मैहर नगर पालिका परिषद द्वारा भी अपने-अपने क्षेत्रों के अस्पतालों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। कलेक्टर मैहर ने जिले के सभी सीएमओ को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में वार्डों का नियमित रूप से प्रातः एवं सायंकालीन भ्रमण करें तथा साफ-सफाई एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण सुनिश्चित करें साथ ही उन्होंने कहा कि अधिकारी भ्रमण के दौरान आमजन से संवाद करें, उनके सुझाव लें और जनसहभागिता से स्वच्छता व्यवस्था को और मजबूत बनाएं।

मदर्स डे की पूर्व संध्या पर 84 वर्षीय मां ने लिया देहदान का संकल्प, सेवा और मानवता का प्रेरणास्पद संदेश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मदर्स डे की पूर्व संध्या पर कृष्णा नगर निवासी संदीप सिंह जग्गी जी की 84 वर्षीय पूज्यनीय माता इंद्रजीत कौर 'जग्गी' ने अमर ज्योति नेत्रदान परिवार के माध्यम से मरणोपरांत देहदान का संकल्प लेकर एक अनूठी मिसाल पेश की अमर ज्योति के संयोजक मनोहर डिगवानी ने बताया कि माताजी ने भावुक होकर कहा आज जो डॉक्टर बनने के लिए पढ़ रहे हैं वे मेरे बच्चों और पोते-पोतियों के समान हैं मेरे जाने के बाद यदि मेरी देह से कोई जीवन बच सके, तो इससे बड़ा मातृत्व का सुख और क्या होगा ड्डमेरा हर अंग किसी के काम आए, यही मेरी इच्छा है। अमर ज्योति के प्रमुख सदस्य विनोद गेलानी ने बताया कि संस्था पिछले 13 वर्षों से निरंतर नेत्रदान और देहदान के क्षेत्र में कार्यरत है। अब तक 887 नेत्रदान हो चुके हैं और 81 लोगों ने देहदान का संकल्प लिया है इसके अतिरिक्त 3 देह मेडिकल कॉलेज को सौंपे जा चुके हैं इस अवसर पर संदीप सिंह जग्गी, बहु तरनजीत कौर, पोती सोनिया गांधी, पोता मनुप्रीत जग्गी, संयोजक मनोहर डिगवानी मनोज अरोड़ा, प्रदीप अरोड़ा, कमल पुरुस्वानी, सुमित विरमानी सहित अन्य प्रमुख सदस्य उपस्थित थे सभी ने माताजी के इस मानवता से भरे कदम की सराहना की देहदान के इस प्रेरक कार्य के लिए मार्गदर्शक योगेश ताम्रकार, संयोजक मनोहर डिगवानी, कमल पुरस्वानी, मनोज अरोरा, नरेंद्र चंद्र गुप्ता, पुष्पराज सिंह, हरिओम गुप्ता, मनमोहन माहेश्वरी, विभाष बनर्जी, विनोद गेलानी, सुधीर जैन, ललित खुराना, दिलीप सोनी, प्रदीप अरोरा सहित अन्य सदस्यों ने माताजी और उनके परिवार को साधुवाद प्रेषित किया इस पहल ने यह संदेश दिया कि उम्र केवल संख्या है और सेवा संवेदना व मानवता के लिए कभी भी देर नहीं होती। माताजी का यह कदम समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गया है जो दूसरों को भी देहदान और जीवनदान के महत्व के प्रति जागरूक करेगा।

जीतनगर में निर्माण कार्य शुरू नहीं होने पर सवाल, जिला पंचायत सदस्य ने मांगी जांच

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत जीतनगर में स्वीकृत निर्माण कार्य शुरू नहीं होने का मामला सामने आया है जिला पंचायत सदस्य वार्ड क्रमांक 10 जयंती महेश तिवारी ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सतना को पत्र लिखकर मामले की जांच और उचित कार्रवाई की मांग की है पत्र में जयंती तिवारी ने बताया कि वर्ष 2024-25 में मुख्यमंत्री अधोसंरचना मद से ग्राम पंचायत जीतनगर में निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया था। बाद में क्षेत्र की जरूरतों को देखते हुए स्थानीय विधायक की मांग पर आरईएस विभाग और जनपद पंचायत के इंजीनियरों ने स्थल निरीक्षण किया और संशोधित प्रस्ताव भोपाल भेजा। इसके बाद पंचायत राज संचालनालय ने 21 मार्च 2025 को संशोधित आदेश जारी कर टैंक निर्माण की जगह उचित मूल्य दुकान निर्माण की स्वीकृति दी इस कार्य की लागत करीब 11.84 लाख रुपये बताई गई जिला पंचायत सदस्य ने आरोप लगाया कि राशि जारी होने के बाद भी कार्य शुरू नहीं किया गया उन्होंने कहा कि सरपंच और सचिव की उदासीनता के कारण काम रुका हुआ है जिससे वित्तीय अनियमितता और भ्रष्टाचार की आशंका बढ़ गई है साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जनपद पंचायत मैहर के कुछ उपयंत्री ग्रामीण क्षेत्रों में खुद ठेकेदारी कर घटिया निर्माण कार्य करवा रहे हैं जयंती तिवारी ने प्रशासन से अपील की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने चेताया कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो ग्रामीण जनता में प्रशासन के प्रति असंतोष बढ़ सकता है अब सबकी नजरें जनपद पंचायत मैहर और जिला पंचायत सतना के अधिकारियों पर टिकी हैं कि वे इस मामले में क्या ठोस कदम उठाते हैं और ग्राम पंचायत जीतनगर में स्वीकृत निर्माण कार्य कब शुरू होता है।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा सतना के जिलाध्यक्ष बने रावेन्द्र सिंह पटवारी, कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष पवन पाटीदार ने रावेन्द्र सिंह पटवारी को सतना जिले का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है इस नियुक्ति को प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति प्राप्त है रावेन्द्र सिंह पटवारी की नियुक्ति के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं में खुशी और उत्साह का माहौल देखा गया भाजपा के कई पदाधिकारियों एवं समर्थकों ने पटवारी को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पार्टी नेताओं का मानना है कि उनके नेतृत्व में पिछड़ा वर्ग मोर्चा संगठन को और मजबूती मिलेगी और पार्टी की नीतियों तथा योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी पार्टी सूत्रों के अनुसार रावेन्द्र सिंह पटवारी को पिछड़ा वर्ग के युवाओं के बीच सक्रिय संगठन क्षमता सामाजिक संपर्क और जनसंपर्क कौशल के लिए जाना जाता है कार्यकर्ताओं ने कहा कि उनकी नियुक्ति से जिले में पिछड़ा वर्ग के लिए पार्टी की सक्रियता और विस्तार बढ़ेगा साथ ही आगामी चुनावी तैयारियों में भी उनका योगदान निर्णायक साबित हो सकता है भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता इस अवसर को पार्टी की मजबूती और संगठन विस्तार के लिए सकारात्मक कदम मान रहे हैं संगठन ने रावेन्द्र सिंह पटवारी के नेतृत्व में जिले में सामाजिक कार्यक्रमों और जनसंपर्क गतिविधियों को और प्रभावी बनाने की योजना बनाई है इस अवसर पर वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि पार्टी की नीतियों को स्तर तक पहुँचाना और समाज के हर वर्ग को जोड़ना प्राथमिकता होगी साथ ही जिले में पिछड़ा वर्ग के हितों को सुरक्षित करने और उनके विकास के लिए रणनीतिक कदम उठाए जाएंगे रावेन्द्र सिंह पटवारी ने अपने भाषण में कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे एकजुट होकर संगठन को मजबूत करें और पार्टी के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुँचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं उन्होंने यह भी कहा कि पिछड़ा वर्ग के विकास और सशक्तिकरण के लिए वह निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

बाल वाटिका के लिए हटाया अतिक्रमण कार्रवाई में हंगामा एसडीएम के पैरों में गिरे लोग, बुजुर्ग महिला का डंडा आंख के पास लगा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में कंपनी बाग स्थित पुरानी आबकारी भवन से शनिवार को प्रशासन ने अतिक्रमण हटा दिया यह जमीन बाल वाटिका के निर्माण के लिए आरक्षित थी जिस पर 16 परिवार वर्षों से अवैध रूप से रह रहे थे कार्रवाई के दौरान कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति बन गई अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया के दौरान कुछ लोग एसडीएम राहुल सिलाड़िया के पैरों में गिरकर मकान खाली करने के लिए और समय मांगने लगे जब एसडीएम उन्हें उठाने के लिए झुके तो एक बुजुर्ग महिला का डंडा उनकी आंख और नाक के पास लग गया इससे एसडीएम कुछ देर के लिए असहज हो गए हालांकि बाद में स्थिति सामान्य हो गई। स्वयं जगह खाली करने के निर्देश दिए गए थे कार्रवाई के समय एसडीएम राहुल सिलाड़िया के साथ सिटी कोतवाली पुलिस और नगर निगम की टीम भारी बल के साथ मौके पर मौजूद थी। प्रशासन ने कब्जाधारियों के मकानों और अस्थायी निर्माणों को हटाकर जमीन को खाली कराया। इस दौरान कुछ हंगामा भी हुआ, लेकिन पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई।

प्रशासन के अनुसार, वार्ड क्रमांक 41 स्थित कंपनी बाग पार्क की यह भूमि बाल वाटिका के निर्माण के लिए आरक्षित है। अधिकारियों ने बताया कि पुरानी आबकारी भवन में रह रहे 16 परिवारों को पिछले तीन वर्षों से लगातार नोटिस दिए जा रहे थे और उन्हें स्वयं जगह खाली करने के निर्देश भी दिए गए थे बार-बार समझाइश के बावजूद जब लोगों ने अतिक्रमण नहीं हटाया तो प्रशासन को बलपूर्वक कार्रवाई करनी पड़ी। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि अब इस जमीन को समतल किया जाएगा और बाल वाटिका के निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

रेलवे ठेके के नाम पर करोड़ों के सपने बेचता था ठग, कटनी पुलिस ने दबोचा – 76 लाख की संपत्ति जब्त

निवेश पर मोटे मुनाफे का झांसा देकर लाखों की ठगी, नगद रकम और लग्जरी कार बरामद

मीडिया ऑडीटर, कटनी (निप्र)। मध्यप्रदेश में वित्तीय अपराधों और निवेश के नाम पर लोगों को ठगने वाले गिरोहों के खिलाफ पुलिस का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है इसी कड़ी में कटनी जिले की एनकेजे थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए व्यापार में निवेश और रेलवे ठेका दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 36 लाख 30 हजार रुपये नगद एक लग्जरी वाहन तथा अन्य संपत्तियों सहित लगभग 76 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है इस कार्रवाई को प्रदेश में आर्थिक अपराधों के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी खुद को रेलवे विभाग से जुड़ा बड़ा कॉन्ट्रेक्टर बताकर लोगों को अपने जाल में फंसाता था वह रेलवे से संबंधित कार्यों में निवेश कराने और भारी मुनाफा दिलाने का दावा करता था इसी दौरान आरोपी ने एक फरियादी को विश्वास में लेकर रेलवे ठेका दिलाने तथा निवेश पर अच्छा रिटर्न देने का प्रलोभन दिया आरोपी की बातों में आकर फरियादी ने चरणबद्ध तरीके से उसे 36 लाख 30 हजार रुपये दे दिए कुछ समय बाद जब न तो कोई ठेका मिला और न ही निवेश की रकम वापस हुई तब फरियादी को अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ। इसके बाद पीड़ित ने थाना एनकेजे पहुंचकर पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल अपराध पंजीबद्ध किया और जांच शुरू कर दी मामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल लोकेशन बैंकिंग ट्रांजेक्शन और साइबर इनपुट के आधार पर आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखी लगातार निगरानी के बाद पुलिस को आरोपी की लोकेशन पन्ना जिले में मिली इसके बाद विशेष टीम गठित कर घेराबंदी की गई और आरोपी को हिरासत में ले लिया गया पुलिस पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने रेलवे ठेके और व्यापारिक निवेश के नाम पर फरियादी से बड़ी रकम हासिल की थी। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 36 लाख 30 हजार रुपये नगद बरामद किए इसके अलावा घटना में प्रयुक्त एक लग्जरी वाहन भी जब्त किया गया पुलिस अधिकारियों के अनुसार जब्त की गई कुल संपत्ति की कीमत 76 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है इस कार्रवाई के बाद पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि आरोपी ने इसी तरह अन्य लोगों को भी अपना शिकार तो नहीं बनाया। पुलिस को आशंका है कि आरोपी लंबे समय से निवेश और ठेके के नाम पर लोगों से ठगी कर रहा था। मामले में कई अन्य पीड़ितों के सामने आने की संभावना भी जताई जा रही है कटनी पुलिस की इस कार्रवाई को प्रदेश में आर्थिक अपराधों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का हिस्सा माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आमजन को निवेश के नाम पर लालच देने वाले अपराधियों के खिलाफ आगे भी इसी तरह कठोर कार्रवाई जारी रहेगी साथ ही लोगों से अपील की गई है कि किसी भी निवेश योजना या ठेके के नाम पर बड़ी रकम देने से पहले उसकी पूरी जांच-पड़ताल अवश्य करें ताकि इस प्रकार की धोखाधड़ी से बचा जा सके।

किराना दुकान में आग, लाखों का सामान जला मालिक ने जताई आगजनी की आशंका, 4 दिन से बिजली बंद थी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मपुर बघेलान थाना क्षेत्र के चोरमारी गांव में शुक्रवार रात एक किराना दुकान में आग लग गई इस घटना में दुकान में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। दुकान मालिक रामस्वयंबर द्विवेदी के अनुसार उन्हें लगभग एक लाख रुपये का नुकसान हुआ है चोरमारी निवासी रामस्वयंबर द्विवेदी रुपया टोला में 'चेतन किराना' नाम से एक दुकान का संचालन करते हैं। शुक्रवार रात लगभग 10 बजे वे दुकान बंद कर अपने घर खाना खाने गए थे। इसी दौरान दुकान में अचानक आग लग गई। धुआं और आग की लपटें देखकर ग्रामीणों ने शोर मचाया सूचना मिलने पर रामस्वयंबर और अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद बाल्टी से पानी डालकर आग पर काबू पाया जा सका। रामस्वयंबर द्विवेदी ने आगजनी की आशंका जताई है उन्होंने बताया कि पिछले चार दिनों से गांव में बिजली की आपूर्ति बंद है जिससे शॉर्ट सर्किट से आग लगने की संभावना नहीं है। उनका मानना है कि अज्ञात असामाजिक तत्वों ने दुकान में आग लगाई है पुलिस ने सूचना मिलने पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।